सच्ची बात, पाठकों के साथ | नागपुर, शुक्रवार 29 अगस्त 2025 | @ www.rashtrabaan.in | पृष्ठ :8 | वर्ष :2 | अंक : 273 | मूल्य: ₹ 5

राष्ट्रबाण

मध्य भारत का लोकप्रिय दैनिक

।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

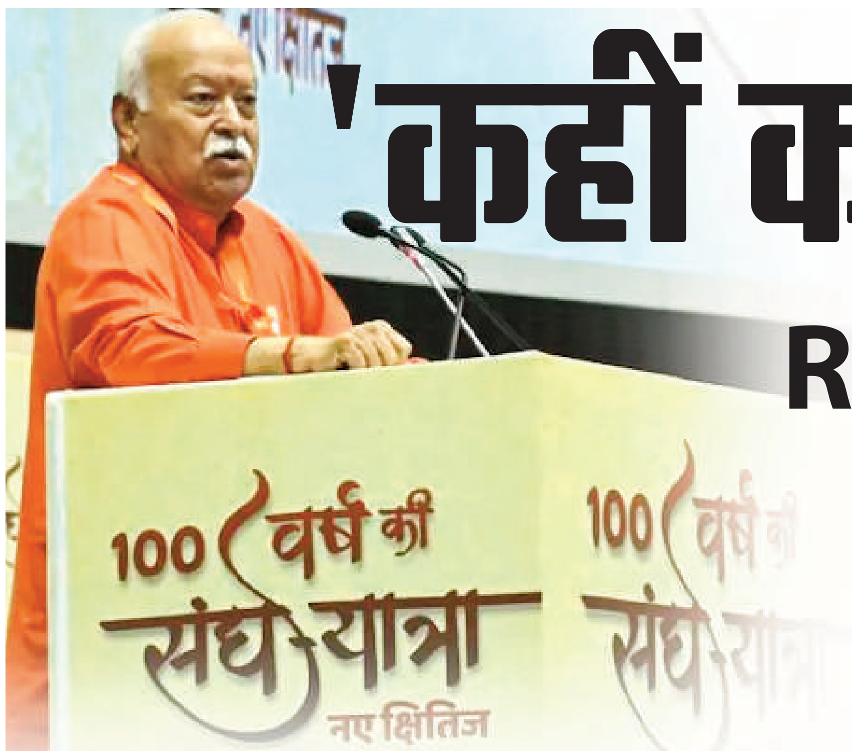

'कहीं कोई झगड़ा नहीं है'

RSS - बीजेपी पर बोले भागवत

भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष हम तय करते तो इतना टाइम लगता क्या?

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में देरी होने के संबंध में भागवत ने कहा कि यह हो ही नहीं सकता कि सब कुछ संघ तय करता है. मैं 50 साल से शाखा चला रहा हूं. वो कई साल से राज्य चला रहे हैं. मेरी विशेषज्ञता वो जानते हैं, उनकी मैं जानता हूं. इस मामले में सलाह तो दी जा सकती है, लेकिन फैसला उस फील्ड में उनका है और इस फील्ड में हमारा है. इसलिए हम तय नहीं करते हैं. हम तय करते तो इतना समय लगता क्या? हम तय नहीं करते हैं. हाल ही में संसद के द्वारा पास हुए 'CM, PM के जेल में रहने पर पदमुक्त' किए जाने से जुड़े बिल से जुड़े सवाल पर भी भागवत ने जवाब दिया. उन्होंने कहा, हमारा नेतृत्व स्वच्छ और पारदर्शी होना चाहिए. मैं समझता हूं इसमें सब सहमत हैं, संघ की भी वही सहमति है. कानून ऐसा होगा या नहीं इस पर डिबेट चल रहा है, संसद जैसा तय करेगी, वैसा होगा. इस परिणाम यह होना चाहिए कि सबके मन में यह विश्वास होना चाहिए कि हमारा नेतृत्व स्वच्छ और पारदर्शी है.

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चीफ मोहन भागवत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शिक्षा और सामाज को लेकर कई बातें कहीं. उन्होंने कहा कि कोई भी तकनीक आती है, तो उसके लिए मनुष्य के हित के लिए उपयोग करना और उसके दुष्परिणाम से बचना होगा. जिससे तकनीकी मनुष्य का मालिक न बन जाए. इसीलिए शिक्षा जरूरी है. मोहन भागवत ने कहा, सुशिक्षा सिर्फ लिटरेसी नहीं है. शिक्षा उसे कहते हैं, जिससे मनुष्य वास्तविक मनुष्य बने. ऐसी शिक्षा से मनुष विष को भी दवाई बना लेता है.

मोहन भागवत ने कहा, हमारा हर सरकार, राज्य सरकारों और केंद्र सरकारों, दोनों के साथ अच्छा रिश्ता है, लेकिन कुछ व्यवस्थाएं ऐसी भी हैं जिनमें कुछ आंतरिक विरोधाभास हैं. कुल मिलाकर व्यवस्था वही है, जिसका आविष्कार अंग्रेजों ने शासन करने के लिए किया था. इसलिए, हमें कुछ नवाचार करने होंगे.

उन्होंने आगे कहा कि भले ही कुर्सी पर बैठा शख्स हमारे लिए पूरी तरह से समर्पित हो, उसे यह करना ही होगा और वह जानता है कि इसमें क्या बाधाएं हैं. वह ऐसा कर भी सकता है और नहीं भी. हमें उसे वह स्वतंत्रता देनी होगी, कहीं कोई झगड़ा नहीं है. अपने देश की शिक्षा बहुत पहले लुप्त हो गई और नई शिक्षा पद्धति इसलिए लाई गई क्योंकि हम शासनकर्ताओं के गुलाम थे. इस देश पर उनको राज करना था, विकास नहीं करना था. उन्होंने देश में राज करने के लिए सारे सिस्टम बनाए.

'न 75 साल में रिटायर होउंगा, ना किसी को कहूंगा'

भागवत ने कहा कि हम स्वयंसेवक हैं. हम वही करते हैं, जो संघ हमसे करने के लिए कहता है. न 75 साल पर रिटायर होउंगा, ना किसी को होने के लिए कहूंगा. उनके बयान का जिक्र करते हुए सवाल पूछा गया. इस सवाल के जवाब में सरसंघचालक ने कहा कि मैंने मोरोपंत पिंगले को कोट किया. उन्होंने कहा कि वह (मोरोपंत पिंगले) बड़े मजाकिया आदमी थे. वह 70 साल के थे और एक बार ऑल इंडिया कार्यकर्ता सम्मेलन में सरकार्यवाह एचवी शेषाद्रि ने उन्हें शॉल दिया, उनसे कुछ कहने के लिए कहा. भागवत ने कहा कि मोरोपंत पिंगले ने तब कहा था कि आपने यह शॉल दिया है, इसका मतलब है कि आपकी उम्र अब अधिक हो गई है.

'अच्छी आदतें सार्वभौमिक हैं...'

मोहन भागवत ने कहा, अपने परंपरा और मूल्यों की शिक्षा देनी चाहिए, वो धार्मिक नहीं सामाजिक है. हमारे धर्म अलग हो सकते हैं, समाज के नाते हम एक हैं. जैसे- माता पिता को सम्मान देना, किसी धर्म में इसकी मनाही है क्या? यह शिक्षा मिलनी चाहिए, यह एक तरह से यूनिवर्सल है. अच्छी आदतें, सार्वभौमिक हैं. अंग्रेजी नॉवेल्स में यह नहीं मिलेगा, ऐसा नहीं है. इंग्लिश एक भाषा है, भाषा सीखने में क्या दिक्कत है.

उन्होंने आगे कहा कि मैं आठवीं क्लास में था, तब पिता जी ने मुझे ऑलीवर ट्विस्ट पढ़ाया. कई इंग्लिश नॉवेल्स मैं पढ़ चुका हूं, इससे मेरे हिंदुत्व प्रेम में अंतर नहीं आया. लेकिन हमने ऑलीवर ट्विस्ट पढ़ा और प्रेमचंद की कहानियां छोड़ दीं, यह अच्छा नहीं है. हर भाषा में एक लंबी और अच्छी परंपरा है, वो सीखना चाहिए. इसकी शिक्षा मिशनरी स्कूलों और मदरसा में हर जगह मिलनी चाहिए.

'आरिफ बेग ने कहा था...'

मोहन भागवत ने एक घटना का जिक्र करते हुए बताया, 'एक बार श्रीमान आरिफ बेग नागपुर आए हुए थे, तो उन्होंने कहा था कि इस देश की परंपरा सबके लिए अच्छी है. उन्होंने उदाहरण दिया था कि जब सुग्रीव और अन्य वानरों को आभूषण मिले, वो सीता जी के हैं कि नहीं, पहचानना था, तो लक्ष्मण को बुलाया गया कि तुम भी पहचानो, उसने कहा कि मुझे केवल पैर के पंजे दिखाओ क्योंकि मैंने कभी सीता जी के मुख की तरफ नहीं देखा, मैंने सिर्फ उनके चरण देखे. मोहन भागवत ने कहा कि इसमें जो संस्कृति झलकती है, वो कितनी बड़ी है. वो सबकी समान है. उसकी शिक्षा सबकी होनी चाहिए, उससे हमारा धर्म मार नहीं खाता है. यह संस्कार सब में होने चाहिए.

'3 बच्चे पैदा करना चाहिए, यह देश के लिहाज से ठीक'

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने देश की जनसंख्या का जिक्र करते हुए कहा कि पर्याप्त जनसंख्या के लिए परिवार में 3 बच्चे होने चाहिए. अगर 3 बच्चे होते हैं, तो माता-पिता और बच्चों सभी का स्वास्थ्य ठीक रहता है. देश के नजरिए से 3 बच्चे ठीक हैं. 3 से बहुत ज्यादा आगे बढ़ने की जरूरत नहीं है. आरएसएस के 100 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा, भारत की जनसंख्या नीति 2.1 बच्चों की बात करती है, जिसका अर्थ है कि एक परिवार में 3 बच्चे. हर नागरिक को यह देखना चाहिए कि उसके परिवार में 3 बच्चे हों. उन्होंने कहा, सभी नागरिकों को 3 बच्चे पैदा करने पर विचार करना चाहिए, जिससे जनसंख्या पर्याप्त हो और कंट्रोल में भी रहे.

काशी-मथुरा आंदोलन का समर्थन नहीं करेगा संघ, स्वयंसेवक स्वतंत्र हैं

भागवत ने घोषणा की कि राम मंदिर एकमात्र ऐसा आंदोलन था जिसका संघ ने समर्थन किया था और वह काशी और मथुरा सहित ऐसे किसी अन्य अभियान का समर्थन नहीं करेगा. भागवत ने स्पष्ट किया कि आरएसएस के स्वयंसेवक ऐसे आंदोलनों में शामिल होने के लिए स्वतंत्र हैं.

लगातार गिरावट के बाद संभला रुपया

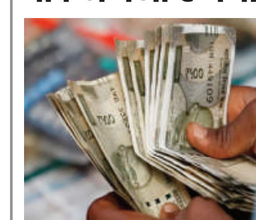

राष्ट्रबाण

मुंबई. लंबे समय से जारी गिरावट के बाद आखिरकार भारतीय रुपया बुधवार को राहत की सांस लेते हुए डॉलर के मुकाबले मज़बूत बंद हुआ. विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 23 पैसे चढ़कर 87.62 प्रति डॉलर पर बंद हुआ. यह सुधार ऐसे समय में आया है जब वैश्विक स्तर पर डॉलर इंडेक्स कमजोर पड़ा और भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने बाजार में समय रहते हस्तक्षेप किया. पिछले कई सत्रों से रुपया लगातार दबाव में था और रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच चुका था. लेकिन अमेरिकी डॉलर की कमजोरी और आरबीआई के डॉलर बिकवाली कदम से स्थिति में सुधार देखने को मिला. कारोबारियों का कहना है कि केंद्रीय बैंक की सक्रियता ने बाजार को स्थिरता दी और रुपये को गिरावट से उबारने में अहम भूमिका निभाई. हालांकि, करंसी विशेषज्ञों का मानना है कि यह मजबूती फिलहाल अस्थायी है. उनका कहना है कि अमेरिका की टैक्स पॉलिसी और वहां के आर्थिक फैसलों को लेकर तनाव अभी भी जारी है, जिसका सीधा असर उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं पर पड़ सकता है.

फास्ट ट्रॅक

टैरिफ टेंशन के बीच कई चीजें भारत से ही खरीदेगा अमेरिका

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. अमेरिका ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ थोपा है, जिस कारण भारत के टेक्सटाइल से लेकर सी फूड सेक्टर्स तक प्रभावित हुए हैं. सूरत, नोएडा और तिरुपुर जैसे जगहों पर तो कुछ कंपनियों ने प्रोडक्शन भी रोक दिया. एक्सपर्ट्स यहां तक अनुमान लगा रहे हैं कि ट्रंप टैरिफ से भारत की ग्रोथ में 0.3 से 0.5 फीसदी तक का असर पड़ सकता है. साथ ही भारत का 70 फीसदी यानी 55 अरब डॉलर तक का अमेरिकी निर्यात कम हो सकता है. हालांकि इन सभी चीजों के बीच, अमेरिका भारत से कुछ वस्तुओं की खरीदारी जमकर करने वाला है, क्योंकि अमेरिका के पास भारत से खरीदने के अलावा और कोई विकल्प नहीं बचता. अगर अमेरिका भारत के अलावा, अन्य जगहों से ये चीजें खरीदता है तो उसे इम्पोर्ट करने में ज्यादा लागत चुकानी पड़ेगी.

PM मोदी का एशिया दौरा शुरू

अमेरिकी टैक्स असर को कम करने के लिए चीन जापान और रूस संग गहन वार्ता की तैयारी

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार से अपने बहुप्रतीक्षित एशिया दौरे की शुरुआत कर दी है. यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिका द्वारा लगाए गए नए टैरिफ ने भारत के निर्यात पर सीधा असर डाला है और अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों पर दबाव बना दिया है. मोदी सबसे पहले चीन जाएंगे, जहां वे शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे. इस दौरान उनकी मुलाकात चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से होने

वाली है. माना जा रहा है कि बैठक में व्यापार, क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक सहयोग जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होगी. इसके बाद प्रधानमंत्री जापान जाएंगे. वहां उच्च स्तरीय वार्ता में मैन्युफैक्चरिंग, रणनीतिक खनिज और रक्षा सहयोग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगले दशक में जापान से भारत में 10 लाख करोड़ येन तक का निवेश होने की संभावना जताई जा रही है. सूत्रों का कहना है कि इस दौरे के दौरान भारत और चीन के बीच बंद पड़ी उड़ानों को फिर से शुरू करने और निवेश पर लगी कुछ पाबंदियों को कम करने पर भी बात हो सकती है. कूटनीति विशेषज्ञों का मानना है कि यह एशिया दौरा भारत के लिए केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक संतुलन साधने की दृष्टि से भी बेहद अहम साबित होगा. अमेरिकी टैक्स तनाव के बीच भारत एशिया के बड़े देशों के साथ नए समीकरण बनाने की कोशिश में है, ताकि आने वाले समय में वैश्विक मंच पर उसकी स्थिति और मज़बूत हो सके.

★ शांतनु अग्रवाल

नेपाल बॉर्डर से भारत में घुसे 3 पाकी आतंकी

सुरक्षा एजेंसियों ने जारी किया हाई अलर्ट, सूचना देने वालों को 50 हज़ार का इनाम

राष्ट्रबाण

पटना. बिहार-नेपाल बॉर्डर से तीन पाकिस्तानी आतंकियों के भारत में घुसपैठ की बड़ी जानकारी सामने आई है. खुफिया एजेंसियों ने इस इनपुट के बाद पूरे इलाके में हाई अलर्ट जारी कर दिया है. बताया जा रहा है कि ये आतंकी नेपाल के रास्ते भारत की सीमा में दाखिल हुए हैं और देश के भीतर किसी बड़ी साजिश को अंजाम देने की फिराक में हो सकते हैं.

एजेंसियों ने आम जनता से सतर्क रहने और संदिग्ध लोगों या गतिविधियों की सूचना तुरंत देने की अपील की है. इसके लिए 50 हज़ार रुपये के इनाम की भी घोषणा की गई है. सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी अक्सर नेपाल बॉर्डर का इस्तेमाल घुसपैठ के लिए करते हैं क्योंकि यहां निगरानी अपेक्षाकृत कठिन होती है. फिलहाल, सुरक्षाबल लगातार तलाशी अभियान चला रहे हैं और इन आतंकियों की तलाश में पूरी ताकत झोंक दी गई है. एजेंसियां मान रही हैं कि शुरुआती इनपुट ने बड़ी साजिश को नाकाम करने का मौका दिया है, इसलिए किसी भी चूक की गुंजाइश नहीं छोड़ी जा रही. नेपाल सीमा पर बढ़ते आतंकवादी खतरे ने एक बार फिर भारत की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दी है. अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि सुरक्षा बल कब तक इन घुसपैठियों को पकड़कर साजिश को नाकाम कर पाते हैं.

★ शांतनु अग्रवाल

टैक्स वसूली है गुंडागर्दी

बाबा रामदेव ने अमेरिका पर बोला हमला

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. योगगुरु और पतंजलि समूह के प्रमुख बाबा रामदेव ने अमेरिका की टैक्स नीतियों को लेकर तीखा हमला बोला है. एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि अमेरिका की टैक्स पॉलिसी पूरी तरह "गुंडागर्दी" जैसी है, जो दुनिया भर के देशों और कंपनियों पर आर्थिक दबाव बनाती है.

रामदेव ने भारतीय जनता से अपील की कि वे अमेरिकी और विदेशी

ब्रांड्स का बहिष्कार करें और पूरी तरह से स्वदेशी उत्पादों को अपनाएं. उन्होंने खासतौर पर कहा, "पेप्सी, कोका-कोला, KFC और मैकडॉनल्ड्स जैसी कंपनियां भारत की सेहत और अर्थव्यवस्था दोनों को नुकसान पहुंचा रही हैं.

ऑनलाइन मनी गेम्स बैन पर पहली कानूनी चुनौती

कर्नाटक हाईकोर्ट में ए23 कंपनी ने दी अर्जी, उद्योग बोला- रोजगार पर गहरा संकट

राष्ट्रबाण

बेंगलुरु. ऑनलाइन मनी गेम्स पर लगे प्रतिबंध को लेकर कानूनी जंग शुरू हो गई है. कर्नाटक हाईकोर्ट में इस बैन के खिलाफ पहली याचिका दायर की गई है. यह अर्जी ए23 नामक कंपनी ने दायर की है, जिसने सरकार के फैसले को रोजगार और

निवेश पर चोट बताया है. कंपनी का कहना है कि ऑनलाइन गेमिंग केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि लाखों लोगों के लिए जीविका का साधन बन चुका है. उनके अनुसार, अचानक लगाए गए इस बैन ने उद्योग की साख को नुकसान पहुंचाया है और इससे प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हजारों परिवार प्रभावित होंगे. वहीं, सरकार का पक्ष है कि ऐसे खेल समाज में आर्थिक जोखिम और लत को बढ़ावा देते हैं.

कानून विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला केवल एक कंपनी तक सीमित नहीं है, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था, रोजगार संरचना और गेमिंग उद्योग के भविष्य से भी जुड़ा हुआ है. अदालत का फैसला आने वाले समय में ऑनलाइन गेमिंग के स्वरूप और वैधता को तय करने वाला साबित हो सकता है. साफ है कि यह कानूनी लड़ाई लंबी खिंचने वाली है और लाखों आंखें अब कर्नाटक हाईकोर्ट की कार्यवाही पर टिकी हैं.

★ शांतनु अग्रवाल

व्यवसाय

सेंसेक्स 700 अंक टूटा... , IT-बैंकिंग स्टॉक्स बिखरे

शेयर बाजार पर टैरिफ अटैक का असर

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. अमेरिका के डबल टैरिफ अटैक का लगातार दूसरे दिन शेयर बाजार में असर देखने को मिला और गिरावट के साथ ओपनिंग करने के बाद गुरुवार को भी सेंसेक्स-निफ्टी रेड जोन में क्लोज हुए. बुधवार को भारत पर 50% टैरिफ लागू होने से पहले मंगलवार को बाजार में तगड़ी गिरावट आई थी, जो आज भी जारी रही और कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स इंडेक्स 705 अंक टूटकर बंद हुआ, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी ने भी 211 अंक फिसलकर कारोबार क्लोज किया. इस दौरान आईटी और बैंकिंग स्टॉक्स में तेज गिरावट देखने को मिली. बुधवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर शेयर बाजार में हॉलिडे घोषित था.

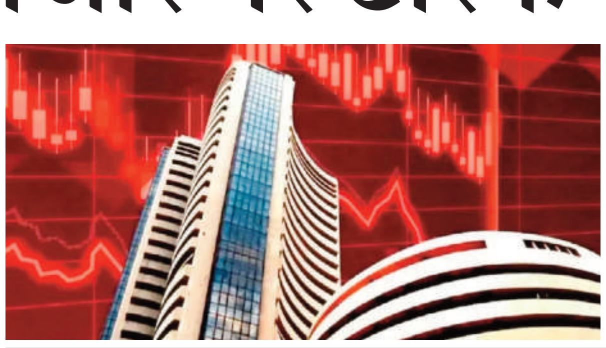

दिनभर गिरावट के साथ हुआ कारोबार

बुधवार 27 अगस्त को जहां भारत पर ट्रंप का एक्स्ट्रा 25% टैरिफ लागू हुआ था, तो वहीं शेयर बाजार में गणेश चतुर्थी की छुट्टी थी, लेकिन गुरुवार को जब मार्केट ओपन हुआ तो टैरिफ अटैक का असर साफ देखने को मिला. बीएसई का सेंसेक्स 80,754 पर ओपन हुआ और फिर कुछ ही देर में इसमें गिरावट बढ़ती गई और ये 600 अंक से ज्यादा फिसल गया. लेकिन फिर अचानक से तेज रिकवरी भी नजर आने लगी और गिरावट 250 अंक के आसपास रह गई, लेकिन आखिरी कारोबारी घंटे में ये भी फिर बिखरने लगा और अंत में 705 अंक की गिरावट लेकर 80,080.57 पर क्लोज हुआ. इससे पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 849 अंक टूटकर बंद हुआ था. सेंसेक्स की तरह ही एनएसई निफ्टी का भी हाल रहा और ये भी लाल निशान पर क्लोज हुआ. 24,695.80 पर ओपनिंग करने के बाद इस इंडेक्स ने 211 अंक फिसलकर 24,500 पर क्लोजिंग की.मंगलवार को एनएसई का ये इंडेक्स फिसलकर 24,712 पर बंद हुआ था. सबसे ज्यादा बिखरे यह शेयर

शेयर मार्केट में गुरुवार को आई इस गिरावट के बीच सबसे ज्यादा बिखरने वाले शेयरों की बात करें, तो लार्जकैप कैटेगरी में शामिल एचसीएल टेक (2.85%), इंफोसिस शेयर (1.95%), पावरग्रिड शेयर (1.93%), टीसीएस (1.89%) और एचडीएफसी बैंक का शेयर (1.55%) की गिरावट लेकर बंद हुआ.

बाजार टूटा, लेकिन चढ़कर बंद हुए ये स्टॉक

बाजार में गिरावट के बावजूद जिन शेयरों ने बढ़त के साथ ग्रीन जोन में क्लोजिंग की, उनमें वीटीएल शेयर (12.96%), संगम इंडिया शेयर (7.39%), नाल्को शेयर (5%) की उछाल के साथ बंद हुआ, तो वहीं मिडकैप कैटेगरी में शामिल ओलेक्ट्रा शेयर (5.80%), तो कल्याण ज्वेलर्स का स्टॉक 2.36% चढ़कर बंद हुआ. एंड्योरेंस का शेयर 2.11 फीसदी की तेजी लेकर बंद हुआ. लार्जकैप में शामिल टाइटन, मारुति और रिलायंस का शेयर बढ़त के साथ बंद हुआ.

बारिश, बाढ़ और लैंडस्लाइड ने मचाई तबाही

58 ट्रेनें कैंसिल...,आस्था और यात्रा पर बारिश का प्रकोप

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश और लैंडस्लाइड से तबाही मची है. जम्मू में बारिश ने दशकों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है, तो इसके चलते सड़क, रेल ट्रैक से लेकर पुलों तक को भारी नुकसान पहुंचा है. कटरा में वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर हुए लैंडस्लाइड में करीब 34 लोगों की मौत हो गई और इसे रोक दिया गया. आस्था और यात्रा दोनों पर बारिश का प्रकोप देखने को मिला है. रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर हालात को देखते हुए बुधवार को जहां 22 ट्रेने कैंसिल की थी, तो वहीं गुरुवार को जम्मू जाने वालीं 58 ट्रेनें रद्द की गईं, जबकि कई ट्रेनों को बीच रास्ते से ही वापस भेजा जा रहा है.

हजारों यात्री फंसे, रेलवे अलर्ट मोड पर: गुरुवार 28 अगस्त की वैष्णो देवी कटरा-गाजीपुर सिटी एक्सप्रेस, भागलपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस और छपरा स्पेशल ट्रेन को भी रेलवे की ओर से रद्द कर दिया गया है. जम्मू कटरा रेल रूट पर ट्रेनों का संचालन पूरी तरह ठप नजर आ रहा है और देश के अलग-अलग स्थानों से आए यात्री श्रद्धालु जम्मू और कटरा समेत अन्य रेलवे स्टेशनों में फंसे हुए हैं.

रास्ते से ही वापस भेजी जा रहीं ट्रेनें

उत्तर रेलवे ने जम्मू डिविजन में लगातार बारिश और लैंडस्लाइड के मद्देनजर कुल 58 ट्रेनों को रद्द किया है. अधिकारियों के मुताबिक, यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए यह फैसला लिया गया है. इस बीच जम्मू जाने वालीं कई प्रमुख ट्रेनों को बीच रास्ते में ही अंबाला, जालंधर, सहारनपुर में रोककर, वहीं से वापस कराया जा रहा है. प्रमुख तौर पर प्रभावित ट्रेनों में राजगीर-उधमपुर, वाराणसी-जम्मूतवी, छपरा-उधमपुर, गुवाहाटी-जम्मूतवी, कामाख्या-जम्मूतवी जैसी ट्रेनें शामिल हैं.

संपादकीय

हंगामे की भेंट चढ़ गया मानसून सत्र

राज कुमार सिंह. विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की संसद ने एक बार फिर देश को निराश किया. 21 जुलाई से 21 अगस्त तक चले संसद के मानसून सत्र में भी काम कम, हंगामा ज्यादा हुआ. लोकसभा में मात्र 37 घंटे कामकाज हो पाया तो राज्यसभा में 41 घंटे 15 मिनट. करदाताओं की मेहनत की कमाई से चलने वाली संसद में हंगामा कभी भी सुखद नहीं कहा जा सकता. मानसून सत्र कठिन चुनौतियों के साये में हुआ था, फिर भी संसद में ऐसा कुछ नहीं दिखा कि सांसदों को देश की चुनौतियों का भान है.

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस एक दशक बाद भी स्वीकार करती नहीं दिख रही कि अब भाजपा सत्ता में है और वह विपक्ष में. दूसरी ओर तमाम तरह के दागी और बागी कांग्रेसियों को गले लगाने के बावजूद भाजपा कांग्रेसमुक्त भारत के सपने में ही जी रही है, जबकि लोकसभा में 99 सांसदों के अलावा कांग्रेस की तीन राज्यों में सरकार भी है. इस वास्तविकता के साथ ही देशहित और जनहित से मुंह मोड़ने का भी परिणाम है कि आपरेशन सिंदूर और संघर्ष विराम सरीखे संवेदनशील मामलों में भी सत्तापक्ष और विपक्ष अपने-अपने राजनीतिक मुद्दों को ही धार देते नजर आए.

हमेशा की तरह शोर-शराबे के बीच ही सरकार अपना विधायी कामकाज निपटाने में सफल हो गई, लेकिन संसदीय कार्यवाही की दृष्टि से लोकसभा में 83 घंटे और राज्यसभा में 73 घंटे हंगामे की भेंट चढ़ गये. संसद की कार्यवाही पर आने वाले खर्च की नजर से देखें तो 204 करोड़ रुपये से भी ज्यादा हंगामे के चलते बर्बाद हो गए. यह तय है कि हमारे सांसद कभी 'काम नहीं, तो वेतन नहीं' की नैतिकता नहीं दिखायेंगे.

पहलगाम पर आतंकी हमला, उसके जवाब में आपरेशन सिंदूर, ट्रंप का संघर्ष विराम का श्रेय लेने का अंतहीन राग तथा उनकी ही ओर से छेड़े गये टैरिफ युद्ध जैसी जटिल चुनौतियों के साये में हुए मानसून सत्र में संसद का देश हित से विमुख हो कर दलगत राजनीति का बंधक बन जाना देश के प्रति एक प्रकार का अपराध ही है. संसद से अपेक्षा थी कि अपनी संवैधानिक भूमिका का निर्वाह करते हुए इन तमाम मुद्दों पर गंभीर चर्चा से देश का मार्गदर्शन करेगी, लेकिन पूरा सत्र ही दलगत राजनीति से प्रेरित आरोप-प्रत्यारोप और हंगामे की भेंट चढ़ गया. हंगामा अक्सर विपक्ष ही करता है, लेकिन काम से ज्यादा हंगामे की बढ़ती प्रवृत्ति के लिए किसी एक पक्ष को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता. अगर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े आतंकवाद और आपरेशन सिंदूर जैसे मुद्दों पर भी हमारी संसदीय चर्चा की दिशा दलगत राजनीति तय करेगी तो फिर वर्तमान राजनीति की दशा-दिशा के बारे में कहने को ज्यादा कुछ नहीं रह जाता. हमने बहुदलीय लोकतंत्र चुना है. इसलिए दलगत विभाजन और नीतिगत मतभिन्नता स्वाभाविक है. उसका सम्मान भी किया जाना चाहिए. सत्तापक्ष और विपक्ष, दोनों की अपनी-अपनी भूमिकाएं हैं, पर जरूरी नहीं कि वे हमेशा परस्पर विरोध की ही रहें.

जान से मार देने की घटनाएं कब रुकेंगी ?

डॉ. अमिता. ग्रेटर नोएडा के निकिता भाटी हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है. बर्बरता का जो वीडियो समाचार चैनलों के माध्यम से प्रसारित किया गया, वह किसी को भी सदियों से चले आ रहे पितृसत्तात्मक सोच से रूबरू कराने के लिए काफी है, जहां बल प्रयोग ही मर्दानगी को जताने का उत्तम तरीका माना जाता रहा है. यह मर्दानगी का भ्रम ही है, जो दुष्कर्म, हत्या, हिंसा के रूप में सामने आता रहता है, लेकिन अफसोस की बात यह है कि इस घटना में सिर्फ एक नहीं, बल्कि दो-दो महिलाएं पुरुषवादी सोच का शिकार हुई हैं.

एक निकिता और दूसरी उसकी सास, जो अपने बेटे का साथ देकर एक महिला होकर भी महिला पर हो रही हिंसा में सहयोगी बनी. यह कोई पहली घटना नहीं है, जब किसी महिला को जलाया या मारा गया हो. कभी परंपरा, कभी दहेज, कभी चरित्र तो कभी डायन करार देकर स्त्रियों को जलाए जाने की घटनाओं का सिलसिला न जाने कब से कायम है.

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की मंशा को आत्मसात करने की बात तो की जाती है, लेकिन बेटियों को व्यवस्था की भेंट चढ़ने से हम रोक नहीं पा रहे हैं. यहां सिमोन दी बोउवा का एक कथन याद आता है कि लड़की पैदा नहीं होती, बल्कि बनाई जाती है. एक बेटी के जन्म के बाद से जिस तरीके से लड़की होने की दुहाई देकर उसकी परवरिश की जाती है, धीरे-धीरे उसमें विरोध की क्षमता ही खत्म हो जाती है और वह शोषण सहना ही अपनी नियति समझ लेती है.

आज भी आम तौर पर बेटी को मायके से यह कहकर विदा किया जाता है कि मायके से डोली उठती है और ससुराल से अर्थी. और डोली उठते ही एक लड़की का या तो मायका होता है या फिर ससुराल, उसका खुद का घर कहां खो जाता है, वह पता ही नहीं चलता, जहां वह हक से और अपने हिसाब से अधिकारपूर्वक रह सके. ऐसी स्थिति में यदि कोई महिला आत्मनिर्भर नहीं है तो वह चाहकर भी विरोध नहीं कर पाती है. दूसरा लोक-लाज के लिहाज के बोझ तले महिलाएं आज भी दबी हुई हैं. उनका दबा होना महिला सशक्तीकरण की बातों को खोखली साबित करता दिखता है. इस परिस्थिति में यदि कोई महिला विरोध करने की हिम्मत जुटा भी लेती है तो व्यवस्था का शिकार हो जाती है. अपने देश में पीड़ित न्याय के लिए आज भी थानों और अदालतों में ठोकर खाते हैं. महिलाओं को न्याय देने के लिए वन स्टाप सेंटर बनाए गए, महिला आयोग का गठन किया गया, लेकिन वे प्रभावी नहीं सिद्ध हो रहे हैं. कई बार अपराधी बेखौफ हो दिखते हैं और व्यवस्था धवस्त.

ग्रेटर नोएडा की घटना में अत्याचार की एक और कड़ी है, जिसमें भारी-भरकम दिखावे वाली शादियों और दहेज के नाम पर लड़की वालों से धन वसूली की प्रथा ने बेटी का बाप होना अभिशापित बना दिया है. दहेज लेना और देना, दोनों ही कानूनन अपराध हैं, लेकिन यह जुल्म सदियों से किसी-न-किसी रूप में आज भी समाज में व्याप्त है. आखिर इसका जिम्मेदार कौन है? आम तौर पर हर माता-पिता चुपचाप बेटी के ससुराल वालों की मनचाही इच्छाओं को पूरा करते रहते हैं और एक तरह से खुद भी अपराधी बन जाते हैं.

लाचार और मजबूर माता-पिता को यह अहसास ही नहीं होता कि दहेज प्रथा की आड़ में वे कई अपराधों की नींव रख रहे हैं. अनजाने में वे अनचाही मांगों को पूरा करते रहते हैं और बेटी के घर को बचाने की कोशिश करते हैं. वे न तो इसकी शिकायत करते हैं और न ही बेटी पर हो रहे अत्याचार को तब तक रोकने की पहल करते हैं, जब तक कि आग की लपटें उनके घर तक न पहुंच जाएं. निकिता के पिता ने भारी भरकम दहेज दिया था.

क्या ट्रंप की सख्ती उलटी पड़ेगी?

रूस से तेल खरीदने पर अमेरिका ने भारत पर पच्चीस फीसद अतिरिक्त शुल्क लागू कर दिया है. इसी के साथ उसकी ओर से भारत पर लगाया गया कुल शुल्क अब पचास फीसद हो गया है. निस्संदेह यह भारत पर दबाव बढ़ाने की रणनीति है. इससे भारतीय निर्यातकों का चिंतित होना स्वाभाविक है. माना जा रहा है कि इससे भारत का निर्यात कारोबार प्रभावित हो सकता है, लेकिन इसकी सीमा क्या होगी, इसका आकलन करना अभी मुश्किल है. भारत की ओर से पहले ही यह स्पष्ट किया जा चुका है कि वह किसी भी दबाव के आगे नहीं झुकेगा और अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा. जाहिर है, भारत के इस रुख का आधार भी संभावित चुनौतियों से निपटने की रणनीतिक सोच पर आधारित होगा. मगर, इस सब के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड को भी यह बात नहीं भूलनी चाहिए कि इसका असर उनके देश में भी होगा और यह सच्चाई वहां की जनता से ज्यादा दिन तक छिपाई नहीं जा सकती है.

अमेरिका ने पहले यह कह कर भारत पर पच्चीस फीसद शुल्क लगाया था कि उसके उत्पादों पर भी यहां अधिक शुल्क वसूला जाता है. इसके बाद अमेरिका की ओर से पच्चीस फीसद अतिरिक्त शुल्क का एलान कर दिया गया, जो बुधवार से प्रभावी हो गया. व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि कुल पचास फीसद शुल्क से कपड़ा, चमड़ा, झींगा और रत्न एवं आभूषण जैसे क्षेत्रों में निर्यात पर असर पड़ सकता है. यहां इस बात पर गौर करना जरूरी है कि बीते वित्त वर्ष में भारत के 437.42 अरब डालर मूल्य के वस्तु निर्यात में अमेरिका का लगभग बीस फीसद हिस्सा था. तब दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 131.8 अरब डालर रहा था, जिसमें 86.5 अरब डालर निर्यात और 45.3 अरब डालर आयात था. इन सब चिंताओं के बीच रेटिंग एजंसी क्रिसिल ने अपनी ताजा रपट में कहा है कि सरकार भले ही निवेश को बढ़ावा दे रही है, लेकिन निजी निगमित पूंजीगत व्यय धीमा बना हुआ है. ऐसे में पच्चीस फीसद अतिरिक्त शुल्क की वजह से निवेशकों की धारणा और ज्यादा प्रभावित होने की आशंका है. हालांकि, मुक्त व्यापार समझौतों की शुल्क बाधाओं को कम कर और पूर्वानुमानित व्यापार नीतियों को स्थापित करके निवेशकों का विश्वास बढ़ाया जा सकता है.ऐसे में साफ है कि सरकार को शुल्क की चुनौती से निपटने के लिए समय रहते प्रभावी कदम उठाने होंगे.

पहले से हो पूरी तैयारी

हिमालय क्षेत्र इस समय भयानक तबाही के दौर से गुजर रहा है. उत्तराखंड से लेकर जम्मू-कश्मीर तक, नदियां उफान पर हैं, पहाड़ दरक रहे हैं और जिंदगियां दांव पर लगी हैं. ये आपदाएं और जानमाल का नुकसान गंभीर चेतावनी है. जम्मू में वैष्णो देवी धाम के पास हुए लैंडस्लाइड में मृतकों की संख्या 32 तक जा पहुंची है. यात्रा रोकनी पड़ी है और फंसे हुए यात्रियों को निकाल कर सुरक्षित घर पहुंचाने की कोशिश जारी है. जम्मू ने केवल 20 घंटों में ही 10 साल की सबसे ज्यादा बारिश देख ली. राज्य के कई हिस्सों में कमोबेश ऐसे ही हालात हैं. मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने X पर बताया कि भारी बारिश से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है. इस मॉनसून सीजन में यह सीन बार-बार दिख रहा है. इसी महीने की शुरुआत में उत्तराखंड के धराली में बादल फटने के बाद आए फ्लैश फ्लड ने पूरे कस्बे को तबाह कर दिया. फिर चमोली के थराली में आफत बरसी. जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में एक बार पहले भी, इसी 14 तारीख को बादल फटने से भारी तबाही मची थी. मचैल माता यात्रा के रास्ते पर आई प्राकृतिक आपदा की वजह से जन-धन की हानि हुई थी. इन घटनाओं पर गौर करें तो आपदाओं में जान गंवाने वालों में बड़ी तादाद पर्यटकों की रही. धराली, उत्तराखंड के चार धाम में से एक, गंगोत्री के रूट पर पड़ता है. इसी तरह वैष्णो देवी के दर्शन के लिए सालभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है. ये हादसे सबक हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों में मौजूद भीड़भाड़ वाले पर्यटन और धार्मिक क्षेत्रों में ऐसे इंतजाम करने की जरूरत है, जिससे किसी अनहोनी की सूरत में लोगों को तुरंत निकाला जा सके.प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है. इसके लिए अर्ली वॉर्निंग सिस्टम को बेहतर करने की जरूरत है. बाढ़ और भूस्खलन के खतरे वाले इलाकों में लगातार निगरानी से खतरों की पूर्व सूचना मिल सकती है. मॉनसून के सीजन में पहाड़ों की यात्रा वैसे भी मुश्किल भरी हो जाती है, तो इस मौसम में यात्रियों की संख्या सीमित करने पर विचार किया जा सकता है.मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट दिया है.

राशिफल

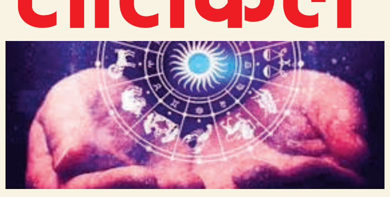

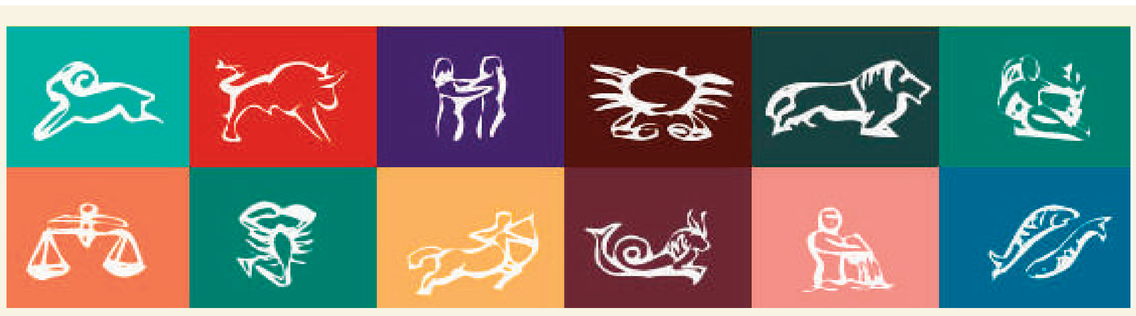

■ **मेष**: आज का दिन रिश्तों, करियर में उन्नति और वित्तीय योजना पर ध्यान केंद्रित करते हुए एनर्जी प्रदान करता है. फ्यूचर के लक्ष्यों की स्ट्रैटजी बनाने के लिए अच्छा समय है. आज धन का मामला स्मार्ट तरीके से मैनेज करें. फिटनेस पर फोकस करें.

■ **वृषभ**: आज सेहत का ध्यान रखें. आपको अपने विचारों को अपनाने और इसे जीवन के सभी पहलुओं पर लागू करने के लिए मोटिवेट किया जाता है. रिश्ते डीप कनेक्शन की ओर मुड़ते हैं, जबकि करियर के अवसर चुनौती के वादे के साथ आते हैं.

■ **मिथुन**: आज के दिन अपनी पर्सनल लाइफ में आप अपने पार्टनर के साथ अधिक पर्सनल कनेक्शन विकसित कर सकते हैं. वित्तीय सुरक्षा आपको इंकम के अन्य सोर्स आजमाने या अधिक इन्वेस्टमेंट करने के लिए प्रोत्साहित करेगी. यह पर्सनल जरूरतों पर फोकस करने का समय है.

■ **कर्क**: आज आपके करियर की गति धीमी नहीं होनी चाहिए. इन्स्पेक्ट करें कि क्या आपका वर्तमान काम आपके लॉग टर्म लक्ष्यों को पूरा करता है. अपने काम और पर्सनल जीवन के बीच अधिक शांति लाने के लिए योजना बनाएं और जरूरी बदलाव भी करें.

■ **सिंह**: आज का दिन अपने जरूरी प्लांस बनाने के लिए शुभ है. अपने बॉस के सामने अपनी कमिटमेंट, काम का तरीका और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल को दिखाने का इससे बेहतर समय क्या हो सकता है? आपका ध्यान घरेलू चुनौतियों पर रहेगा.

■ **कन्या**: आज का दिन आपके सामाजिक जीवन में नई रुचि लाएगा. आपकी विभिन्न संस्कृति के लोगों से जुडने की क्षमता नए अवसर या पार्टनरशिप के लिए एक खुला द्वार है. शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए जिम ज्वाइन करें.

■ **तुला**: आज हो सकता है कि आप अचानक खुद को उत्सुकता के साथ असाइनमेंट पर काम करते हुए पाएं. आर्थिक लाभ के अवसर भी मिलेंगे. इसके अलावा देखभाल, डाइट में सुधार या यहां तक कि नई एक्सरसाइज शुरू करने पर भी फोकस करें.

■ **वृश्चिक**: आज नेटवर्क बनाएं, अपनी स्किल्स का उदाहरण दें और प्रोजेक्ट्स पर पहल करने से न डरें. आप आय के नए स्रोत ढूंढने की कोशिश कर सकते हैं और वेतन वृद्धि के लिए अभियान शुरू कर सकते हैं. अपने पार्टनर के साथ सम्मान और संयम से व्यवहार करें.

■ **धनु**: आज के दिन डिटेल्स पर काम करने और चीजों को मैनेज करने में बिजी रहेंगे. किसी सम्मेलन, वेबिनार या यहां तक कि व्यावसायिक यात्रा के लिए प्रयास करें. बहुत ज्यादा तनाव लेने से बचें. खर्चों पर ध्यान दें.

■ **मकर**: आज आप स्किल्स को बढ़ाने या नए मार्केट के बारे में अधिक जानने पर विचार करने के लिए उत्सुक हो सकते हैं. आज का मुख्य जोर आपके पर्सनल फाइनेंस के बढ़ते पक्ष पर है, लेकिन इस बात से सावधान रहें कि आप अपना पैसा कैसे खर्च करते हैं.

■ **कुंभ**: आज का दिन पर्सनल ग्रोथ और विस्तार की संभावनाओं से भरा है. विचारों को विकसित करने के लिए अपने सहकर्मियों के साथ बात करने और काम करने की अपनी क्षमता दिखाने का यह सही अवसर है. गलतफहमी के चलते अन-बन हो सकती है. अपने विचारों और इरादों को क्लियर करें. आपके लिए सेल्फ-लव पर फोकस करने वाला दिन है. काम का बहुत ज्यादा प्रेशर न लें.

■ **मीन**: आज के दिन फ्रेश एनर्जी के साथ अपने करियर की ओर बढ़ें. आपकी बिजनेस शुरू करने की भावना काफी बढ़ जाएगी. सिंगल लोगों का रुझान ऐसे पार्टनर्स की तलाश में हो सकता है, जो काफी दृढ़ और कॉन्फिडेंट हों. मजबूत पेशेवर मोर्चे वाले कुंभ राशि के जातक अच्छे परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 433

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-2,3
4. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-3
6. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-3
7. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-2
9. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-3
10. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-2
12. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-2
14. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-2
16. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-2
17. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-2,2
18. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-2
19. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-2
20. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था?-2
22. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-2
23. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-2
25. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-4
27. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-3
29. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-3
31. संजीव, राखी की एक फिल्म-3
32. 'तारे हैं बारती' गीत वाली फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-3
2. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-4
3. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-3
4. फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-3
5. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-2
8. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका?-2
11. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है?-2
12. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-2
13. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-3
15. 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-3
16. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी?-2
17. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-5
20 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-3
21. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-4
24. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-2
26. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-2
28. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-3
30. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 432 का हल

■ मंगल सैणचा, बेंगलोर

अंकजाल - 433

	22	19	22		23	22	17	16	
14		2				8		2	26
16	3		5		6		3		22
18		4				7		8	22
25	7		3		2				
				2		7		3	27
18	7		5				2		12
20		3		7		8		5	21
24	8		4				7		18
	21	11	13	27		28	26	16	

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 432 का हल

	14	21	21		32	21	12	19	
12	2	7	3		4	5	4	9	22
14	2	7	5		8	7	5	3	23
16	8	2	6		7	9	3	7	26
21	2	5	7	2	5				
				7	8	9	2	3	29
26	8	5	6	7		3	6	4	13
18	5	2	5	6		3	4	7	14
29	8	8	5	8		4	6	8	18
	21	15	16	30		19	18	22	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 433

अ	क	ल	व	दे	रं	गी	ला	न	ल	क
दि	म	ल	रु	व	ग	गी	र	इ	ट	ली
ल	स	मं	ल	द्र	दे	पु	चं	पा	व	त
क	व	ग	य	पु	ब	न	प	न	ल	ज
क	क	ल	ग	श्री	सं	या	तू	ग	झ	वा
जी	क	पां	व	ह	ती	पू	ग	ण	घ	नी
उ	आ	डे	न	ल	ल	ल	श	र	ला	जिं
क	त्त	दा	ई	गा	व	क	फ	लो	श	दा
च	बा	जी	न	न	जी	ल	री	ग	प	बा
मो	पा	ल	का	व	ह	इ	श्क	र	प	द
ली	क	ल	रा	ख	न	रा	बा	द	प	र

शब्दजाल में 'आमिर खान' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

लव लव लव,लगान,राख,दिल, जवानी जिंदाबाद, रंग दे बसंती, मंगल पांडे, रंगीला, बाजी, इश्क

शब्दजाल - 432 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

हे विघ्नहर्ता गणेश, लोकतंत्र के विघ्न दूर करो!

विघ्नर्ता के रूप में पूजनीय गणराया श्री गणेश आज महाराष्ट्र के घर-घर में धूमधाम से पधारेंगे.महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि दुनियाभर के गणेश भक्तों के हर घर में इस मोहक और लाडले देवता की पारंपरिक तरीके से प्राण-प्रतिष्ठा और पूजा-अर्चना की जाएगी.घरों की तरह ही, राज्य के हर शहर और गांव में सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों के मंडपों में भी गणेश मंडल के कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों और पुष्पवर्षा के साथ गणेश जी को विराजमान करेंगे.गणेशोत्सव और भक्तों का अटूट रिश्ता है और विशेषकर मराठी परिवार गणेशोत्सव को लेकर किसी भी अन्य त्योहार से ज्यादा उत्साहित रहते हैं.आमतौर पर १० दिनों तक चलनेवाला गणेशोत्सव इस साल आज, २७ अगस्त से ६ सितंबर तक ११ दिनों तक चलेगा.चैतन्य व मांगल्य का पर्व गणेशोत्सव महाराष्ट्र के कोने-कोने में अभूतपूर्व उत्साह का संचार करता है.इस दौरान, महाराष्ट्र के सभी लोग गणेश भक्ति में लीन और तल्लीन रहते हैं.भक्तों की भक्ति, आस्था, पूजा, आरती और प्रसाद के समस्त वैभव को गणपति बाप्पा हमेशा की तरह को स्वीकार करेंगे.गणेश जी ने हमें अपना आशीर्वाद दिया है.श्री गणेश से अपने ऊपर आए संकटों का निवारण करने, पारिवारिक सफलता और प्रगति के मार्ग में बाधा बन रहे विघ्नेंको दूर करने की मन ही मन में प्रार्थना की जाएगी.लेकिन उससे भी आगे बढ़कर प्रार्थना है कि गणेशजी आज महाराष्ट्र और देश में हो रहे विघ्नेंके अटूट सिलसिले को हमेशा के लिए तोड़ दें.यह विघ्न छोटे-मोटे नहीं हैं.देश के संविधान पर चारों ओर से हमला हो रहा है.मुट्ठीभर लोग सत्ता के बल पर देश की तमाम संवैधानिक संस्थाओं पर हुकूमत कर रहे हैं.हमारा देश, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव प्राप्त है, चुपचाप लोकतंत्र को अपनी अंतिम सांसें गिनते देख रहा है.दो लोगों की सरकार किसी की भी बात मानने व सुनने को तैयार नहीं है और भारत जैसे महाद्वीपीय व प्राचीन देश को तानाशाही की ओर ले जा रही है.

जनसंवाद नेटवर्कस् प्रा. लि. हेतु राष्ट्रबाण (प्रेस) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य द्वारा यह मुद्रित कर 101/5 गणेश स्नेहल अपार्टमेंट नागपुर-22 से प्रकाशित. प्रधान संपादक - *विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य, *पी. आर. बी. कानून के तहत संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार ■ इस पत्र में प्रकाशित विज्ञापन, लेख व समाचारों में व्यक्त विचार व्यक्तिगत है. उनसे हमारा सहमत-असहमत होना जरुरी नहीं. RNI Reg. No. HIN/72804 ■ फोन नं. 0712-7966355, rashtrabaanngp@gmail.com

रूस ने कीव पर किया मिसाइल अटैक

EU की इमारत को नुकसान

3 बच्चों समेत 14 से ज्यादा की मौत

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. रूस और यूक्रेन के बीच करीब 4 साल से जंग जारी है और कोई भी देश बीच हटने को तैयार नहीं है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस-यूक्रेन जंग को खत्म कराने की तमाम कोशिश की हैं. हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिले थे और उसके बाद उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से भी मुलाकात की थी. हालांकि दोनों ही बैठकें बेनतीजा रहीं और जंग खत्म करने की दिशा में कोई ठोस फैसला नहीं हो सका.

रूसी हमले में 14 लोगों की मौत

अब रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव स्थित यूरोपियन यूनियन के प्रतिनिधिमंडल भवन पर हमला किया है. यूक्रेन का कहना है कि रूस ने कीव पर बड़े पैमाने पर हमले में किए हैं, जिनमें कम से कम 14 लोगों की मौत हुई है और 48 घायल हुए हैं. यूक्रेनी विदेश मंत्री आंद्रेई सिबिहा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि रूसी हमले में यूक्रेन में यूरोपीय संघ के मिशन की एक इमारत को भी नुकसान पहुंचा है. राष्ट्रपति ज़लेंस्की ने कहा कि कीव पर रूसी हमले में 14 लोग मारे गए, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल थे. उन्होंने बताया कि यूरोपीय यूनियम की बिल्डिंग सहित कई सुविधाएं क्षतिग्रस्त हो गईं.

'जंग खत्म नहीं करना चाहता रूस'

उन्होंने कहा कि रूस जंग खत्म करने का विकल्प नहीं चुन रहा है, बल्कि नए हमले कर रहा है. कीव में रातोरात दर्जनों इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं, रिहायशी इलाके, ऑफिस सेंटर्स को नुकसान पहुंचा है. इनमें वह इमारत भी शामिल है जहां यूक्रेन में यूरोपीय संघ का प्रतिनिधिमंडल स्थित है. अब यह ज़रूरी है कि दुनिया मज़बूती से जवाब दे. रूस को यह युद्ध रोकना होगा जो उसने शुरू किया था और जारी है. जेलेंस्की ने कहा कि सीजफायर को नकारने और बातचीत से बचने की रूस की लगातार कोशिशों के लिए, नए और कड़े प्रतिबंधों की ज़रूरत है.

'यूक्रेन के साथ मजबूती से खड़े हैं'

एंटोनियो कोस्टा ने कहा, 'मेरी संवेदनाएं यूक्रेनी पीड़ितों और वहां के कर्मचारियों के साथ हैं, जिनकी इमारत इस जानबूझकर किए गए रूसी हमले में क्षतिग्रस्त हुई है. यूरोपीय संघ इससे नहीं डरेगा. रूस की आक्रामकता यूक्रेन और उसके लोगों के साथ खड़े होने के हमारे संकल्प को और मज़बूत करती है.' रूस के खिलाफ जंग में यूरोपीय नेता यूक्रेन का खुलकर समर्थन कर रहे हैं. हाल ही ट्रंप के साथ मुलाकात के दौरान तमाम यूरोपीय नेता भी जेलेंस्की के साथ वॉशिंगटन पहुंचे थे. पिछले दिनों रूस ने यूक्रेन के पश्चिमी इलाके में 500 से ज्यादा मिसाइलें और ड्रोन दागे थे और यह पहला मौका था जब संघर्ष के दौरान यूक्रेन के पश्चिमी छोर को निशाना बनाया था.

MP में 27% ओबीसी आरक्षण

कहा- नौकरी से कोई वंचित न रहे

CM मोहन यादव ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर पारित कराया संकल्प

राष्ट्रबाण

भोपाल. मध्यप्रदेश में 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने निवास में सर्वदलीय बैठक बुलाई. इसमें तय किया गया कि किसी भी कीमत पर राज्य में 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण दिया जाएगा. इस बात पर सभी दल एकमत दिखाई दिए. इस सर्वदलीय बैठक में सभी पक्ष-विपक्ष ने मिलकर संकल्प भी पारित किया. CM यादव ने बताया, बीजेपी-कांग्रेस सहित सभी विपक्षी पार्टियों ने अपनी-अपनी विधानसभा में स्पष्ट किया है कि हम सभी 27 फीसदी आरक्षण देने के लिए एकमत हैं. सुप्रीम कोर्ट में 22 सितंबर से इस प्रकरण की रोज सुनवाई होगी. चूंकि, कोर्ट में अलग-अलग वकील लड़ रहे हैं, इसलिए अब जरूरत इस बात की है कि सभी वकील बैठकर इस मामले में एकमत हों और यह फैसला करें कि सभी को एक ही लाइन पर चलना है.

हर कैंडिडेट को मिले मौका

CM यादव ने कहा कि होल्ड- अनहोल्ड अभ्यर्थियों में से 14 परसेंट क्लियर हो गया था, लेकिन 13 फीसदी पेंडिंग है. सुप्रीम कोर्ट जल्द से जल्द इसका निराकरण करेगी. हम सभी चाहते हैं कि 13 फीसदी बच्चों का प्रकरण जल्द हल हो, ताकि उम्र की सीमा को लेकर जो कैंडिडेट बाहर हो रहे हों, उन्हें भी इसका लाभ मिल जाए. उनकी भी नौकरी लगे.

अब तक क्या-क्या हुआ

8 मार्च 2019 को अध्यादेश के माध्यम से "अन्य पिछड़े वर्ग 14 प्रतिशत' के स्थान पर 'अन्य पिछड़े वर्ग 27 प्रतिशत' स्थापित किया गया.

14 अगस्त 2019 को विधानसभा में अध्यादेश को अधिनियम का स्वरूप दिया गया.

24 दिसम्बर 2019 को नवीन रोस्टर जारी किया गया.

19 मार्च 2019 को सर्वप्रथम आशिता दुबे विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन केस में मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पर अध्यादेश के आधार पर 14 प्रतिशत से अधिक आरक्षण न देने के निर्देश दिए गए.

4 मई 2022 को शिवम गौतम बनाम मप्र शासन प्रकरण में हाई कोर्ट जबलपुर द्वारा उपरोक्त रोस्टर नोटिफिकेशन पर स्थगन आदेश जारी किया गया.

बैठक में कौन-कौन हुए शामिल

मुख्यमंत्री मोहन यादव की पहल पर आयोजित सर्वदलीय बैठक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, मंत्री कृष्णा गौर, पिछड़ा वर्ग कल्याण अध्यक्ष रामकृष्ण कुसमारिया, लोकसभा सदस्य, सतना गणेश सिंह, मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, विधायक-नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव, बहुजन समाज पाटी प्रदेश अध्यक्ष रमाकांत पिप्पल, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सचिव अरविंद श्रीवास्तव, प्रदेश समाजवादी पार्टी अध्यक्ष मनोज यादव, छत्तीसगढ़ विधायक-प्रदेश अध्यक्ष गोंडवाना गणतंत्र पार्टी तलेश्वर सिंह मरकाम, प्रदेश अध्यक्ष आम आदमी पार्टी-महापौर सिंगरौली रानी अग्रवाल शामिल रहे.

हिंदुत्व पॉलिटिक्स की धुरी बना 'पुनौरा धाम'!

शाह-नीतीश के बाद राहुल-तेजस्वी ने टेका माथा

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. बिहार का सीतामढ़ी जिला सियासी चर्चा के केंद्र में है. हिंदू मान्यता के मुताबिक, भगवान राम की पत्नी सीता का जन्म यहीं हुआ था. विधानसभा चुनाव की तपिश के बीच सीतामढ़ी में मां जानकी की जन्मस्थली 'पुनौरा धाम' बिहार की सियासत का धुरी बन गया है, जहां हर दल के प्रमुख नेता माथा टेकने के लिए पहुंच रहे हैं. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2 साल पहले अयोध्या की तरह 'पुनौरा धाम' को सुंदर और विकसित करने का ऐलान किया था. वहीं, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही में पुनौरा धाम स्थित माता सीता के भव्य मंदिर के निर्माण की आधारशिला रखी है.

जंगल की आग से सुलगे वर्ल्ड वॉर-2 के छिपे बम

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. इंग्लैंड के यॉर्कशायर के जंगल में दलदली इलाके में आग लगने के बाद अचानक धमाके शुरू हो गए. इन धमाकों से जंगल में आग और तेजी से बढ़ने लगा है. ये विस्फोट सेकंड वर्ल्ड वॉर के समय दलदली इलाके में छिपे बम और टैंक के गोले में आग लगने से हो रहा है. रिपोर्ट के अनुसार, उत्तरी यॉर्क मूर्स के एक बड़े क्षेत्र में आग फैल गई है. इस वजह से द्वितीय विश्व युद्ध के अज्ञात बम और टैंक के गोले फट रहे हैं. विस्फोट की वजह से आसपास के लोग डरे-सहमे हैं और घर छोड़कर भागने को तैयार हैं. इधर, प्रशासन ने भी स्थानीय निवासियों को चेतावनी दी है कि वे घर से भागने के लिए तैयार रहें. आग की वजह से फट रहे सेकंड वर्ल्ड वॉर टाइम के छिपे हुए बम क्योंकि हवा में धुआं भर गया है. आपातकालीन दस्ते अन्य क्षेत्रों से भी सहायता बुला रहे हैं.

संभल में हिंदू 45% से घटकर 20% कैसे हो गए

दंगों के लिए कौन जिम्मेदार?

राष्ट्रबाण

लखनऊ. पिछले साल हुए संभल दंगे पर बनी जांच कमेटी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है. रिपोर्ट के मुताबिक संभल में हिंदू आबादी 45% से घटकर 20% पर आ गई है. आजादी के वक्त यानि 1947 में संभल में हिंदू आबादी 45 फीसदी थी लेकिन अब संभल में सिर्फ 20% हिंदू ही बचे हैं. दंगों और तुष्टिकरण ने संभल की डेमोग्राफी बदल दी है.

संभल पर बनी जांच कमेटी की रिपोर्ट में क्या-क्या?

- प्वॉइंट नंबर-1 संभल में हिंदू आबादी सिर्फ 20% बची
- प्वॉइंट नंबर-2 संभल में आजादी के बाद कुल 15 दंगे हुए
- प्वॉइंट नंबर-3 संभल कई आतंकवादी संगठनों का अड्डा बना
- प्वॉइंट नंबर-4 अमेरिका ने मौलाना सनाउल हक को आतंकवादी घोषित किया
- प्वॉइंट नंबर-5 संभल में अवैध हथियार नारकोटिक्स गैंग सक्रिय

पूर्वनियोजित थी हिंसा- रिपोर्ट

जांच रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है कि 22 नवम्बर 2024 को सांसद जिया-उर-रहमान बर्क के विवादित भाषण ने हिंसा की नींव रखी. उन्होंने नमाजियों को संबोधित करते हुए कहा था, हम इस देश के मालिक हैं, नौकर-गुलाम नहीं.

संभल में हिंदुओं को मारे जाने का था प्लान

रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र है कि संभल में हिंदुओं को मारे जाने का पूरा प्लान बना लिया गया था और दंगे के लिए बाहर से दंगाई बुलवाए गए थे. हिंदू मोहल्लों में पुलिस की मौजूदगी की वजह से हिंदू बच पाए थे. संभल में तुर्क पठानों ने आपसी रंजिश में एक-दूसरे को मारा था. तुर्क और कन्वर्टेड हिंदू पठानों के बीच हुई फायरिंग में 4 लोगों की हुई मौत हुई थी.

चुनाव आयोग बंगाल के अधिकारियों को धमका रहा

कोई सर्वे करने आए तो कोई जानकारी न दें', ममता बनर्जी का आरोप

राष्ट्रबाण

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता की रैली में बीजेपी, चुनाव आयोग और वामपंथी दलों पर जमकर निशाना साधा. ममता बनर्जी ने कहा कि चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है. जबकि उसका अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान तीन महीने का है. ममता ने कहा कि अगर कोई सर्वे करने आए तो कोई जानकारी न दें. अपना आधार कार्ड तैयार रखें.

बीजेपी पर लगाया गंभीर आरोप

टीएमसी नेता ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि भाजपा ने मतदाताओं के नाम काटने के लिए सर्वेक्षण करने हेतु अन्य राज्यों से 500 से ज़्यादा टीमें बंगाल भेजी हैं. जब तक मैं ज़िंदा हूं, किसी को भी लोगों का मताधिकार नहीं छीनने दूंगी. उन्होंने दावा किया कि माकपा ने भाजपा से हाथ मिला लिया है. केरल में उसकी सरकार नेताजी को बदनाम करने की कोशिश कर रही है. ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा चाहती है कि लोग स्वतंत्रता संग्राम में बंगालियों की भूमिका को भूल जाएं.

छात्रों को स्कॉलरशिप दे रही है सरकार

बंगाल की सीएम ने कहा कि कुछ लोग मुक़दमे दायर करके दाखिले और नतीजे रोक देते हैं और फिर हमें दोषी ठहराते हैं. वे राजनीतिक अखाड़े में हमसे लड़ नहीं सकते. वे पिछले दरवाज़े से लड़कर भर्तियां रोकते हैं. बर्धमान विश्वविद्यालय के कुलपति ने शोधकर्ताओं के लिए धनराशि रोक दी है. मुझे पता चला है कि उन्हें राज्यपाल ने नियुक्त किया था. जब मुझे पता चला तो मैंने अनुदान फिर से शुरू कर दिया. ममता बनर्जी ने कहा कि 92,000 छात्रों को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड मिले हैं. मैं मेरिट स्कॉलरशिप के लिए 17% का भुगतान करती हूं, सामान्य स्कॉलरशिप के लिए अलग से भुगतान करती हूं.

अभिषेक बनर्जी ने बीजेपी पर साधा निशाना

रैली को संबोधित करते हुए टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने कहा कि वे (बीजेपी) कह रहे हैं कि बंगाली नाम की कोई भाषा नहीं है. क्या हमें उन्हें करारा जवाब नहीं देना चाहिए? हम एकजुट होकर लड़ेंगे. जो लोग कहते हैं कि वे ममता बनर्जी को हटा देंगे. मैं उनसे कहता हूं कि पहले हमारे युवा नेताओं और छात्रसंघ से लड़ें. वे आपको सीधे हरा देंगे.

'भाजपा दरवाजा बंद करेगी तो...'

यूपी के मंत्री संजय निषाद ने गठबंधन को लेकर दिया बड़ा बयान

राष्ट्रबाण

लखनऊ. यूपी सरकार में मंत्री और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने एक बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि सपा ने अपना दरवाजा बंद किया तो मैं भाजपा के साथ आ गया, अब अगर भाजपा बंद कर लेगी तो मैं देखूंगा कि आगे क्या करना है. इससे पहले निषाद ने यूपी भाजपा को साफ-साफ शब्दों में कहा था कि अगर लगता है कि उन्हें निषाद पार्टी से फायदा नहीं है तो गठबंधन तोड़ सकते हैं.

बकौल संजय निषाद- बीजेपी से समस्या नहीं है. अमित शाह हों या मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, यह दोनों हमारे एजेंडे को लेकर संजीदा हैं. लेकिन बीजेपी के कुछ नेता और खासकर सपा-बसपा से बीजेपी में आए हुए जो निषाद नेता हैं, वह हमारे बारे में, निषादराज के बारे में अनर्गल बातें कर रहे हैं और इनकी वजह से नुकसान हो रहा है.

बहस कर रहा था पति

बौखलाई पत्नी ने चूल्हे से उतारी खौलती चाय और मुंह पर फेंक दी

राष्ट्रबाण

गाजियाबाद. उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के वेव सिटी थाना क्षेत्र के ओकवुड एन्कलेव सेक्टर-1 में पति-पत्नी के विवाद ने सनस-नीखेज मोड़ ले लिया. आरोप है कि पत्नी ने गुस्से में पति के चेहरे पर खौलती हुई चाय फेंक दी, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया. पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

बहस हुई तो उठा लाई गैस पर खौलती चाय

जानकारी के अनुसार पीड़ित सौरभ सिंह का कहना है कि 24 अगस्त की सुबह उनकी पत्नी अंकिता सिंह से कहासुनी हो गई थी. विवाद इतना बढ़ा कि पत्नी ने गैस पर रखे सस्पेन से खौलती चाय उठाकर उसके ऊपर फेंक दी. इस हमले में पीड़ित का चेहरा, सिर और बायां हाथ बुरी तरह जल गया. चेहरे पर सूजन आने के साथ ही नाक से खून निकलने की भी शिकायत रही. पीड़ित का आरोप है कि घटना के बाद पत्नी घर से अपना सामान समेटकर करीब 1 लाख 44 हजार रुपये नकद लेकर चली गई.

फास्ट ट्रैक

बॉयफ्रेंड ने मारा, घर पर किया कब्जा

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. सिंगर और रेडियो जॉकी रह चुकीं सुचित्रा ने अपने बॉयफ्रेंड और हाई कोर्ट वकील शुनमुगराज पर घरेलू हिंसा, फाइनेंशियली तरीके से शोषण करने और अपनी संपत्ति का गैरकानूनी तौर से इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है. एक इंस्टाग्राम वीडियो शेयर कर उन्होंने अपनी आपबीती शेयर की. सिंगर ने अपने रिश्ते के बारे में डिटेल्स देते हुए कहा कि वो अब इस मामले को कानूनी तौर से आगे बढ़ाएंगी.

सुचित्रा ने लगाए मारपीट के गंभीर आरोप

सुचित्रा ने कहा कि वो कई सालों से शुनमुगराज को जानती हैं और लगभग सगाई कर चुकी थीं. उन्होंने बताया कि, "शुनमुगराज मेरी जिंदगी में उस समय आए जब मैं खुद कमजोर पलों से गुजर रही थी. वो मेरे जीवन में एक सेफ गार्ड की तरह आए. लेकिन बाद में मैंने महसूस किया कि उन्होंने मेरे मन और धन का फायदा उठाया है. मेरा सबकुछ लूट लिया." वीडियो में सुचित्रा ने दावा किया कि उनका रिश्ता हिंसक हो गया. उन्होंने कहा कि कई बार उन्हें मारा गया और शुनमुगराज ने उन्हें यूं लात मारी जैसे कोई WWE रेसलर हो.

ये मुल्क मेरी माँ है पर मैंने इससे गद्दारी की

एक Ex-मिलिटेंट की जुबानी, कश्मीर में आतंक की कहानी!

राष्ट्रबाण

श्रीनगर. सरहद पार से ट्रेनिंग करके लौटा तो कश्मीर में रॉकस्टार जैसा ट्रीटमेंट मिला. कंधे पर कारतूसों की पेटी, हाथ में रिवॉल्वर और पैरों पर रुतबा. हसरत-भरी निगाहें हर वक्त पीछा करतीं. पाकिस्तान में भी रसूख कम न था. जहां भी जाते, कश्मीरी मिलिटेंट सुनते ही महंगी से महंगी चीज बेमोल मिल जाती. वक्त पलटा. हम आतंकवादी थे. घरबार छूटा. सालों जेल काटी. तब समझ आया कि जिस मां ने दूध पिलाया, लड़कपन में उसी को जख्मी कर दिया.

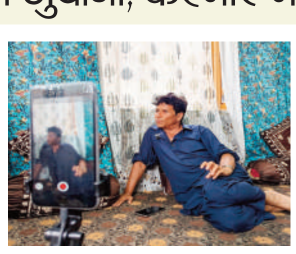

पहलगाम आतंकी हमले के बाद से कश्मीर में वक्त ठिठका हुआ है. तेज हवाएं देवदार और चीड़ से गुजरती तो हैं, लेकिन संभलते हुए. झेलम और रावी में बहाव है, लेकिन रवानगी नहीं. लाल चौक में खरीदार मिलेंगे, लेकिन अपनी ही परछाई से खौफजदा. लंबे वक्त बाद कश्मीर में उजाला छिटका था, पहलगाम हादसे ने उसे लील लिया.

राजनाथ ने दिया 5 साल का युद्ध का टारगेट

इसके लिए तीनों सेनाओं की तैयारी क्या होनी चाहिए

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. मध्य प्रदेश के महू में आर्मी वॉर कॉलेज में 27 अगस्त 2025 को 'रण संवाद' कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय सशस्त्र बलों को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया. उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में युद्ध अप्रत्याशित और लंबे हो सकते हैं. इसलिए, सेनाओं को छोटे संघर्षों से लेकर पांच साल तक चलने वाले लंबे युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार रहना होगा. सिंह ने कहा कि युद्ध कितने समय तक चलेगा, यह अनुमान लगाना मुश्किल है.

पांच-वर्षीय युद्ध लक्ष्य का मतलबः क्यों जरूरी है ऐसी तैयारी?

आज की भू-राजनीतिक स्थिति अनिश्चित है. रूस-यूक्रेन युद्ध दो साल से चल रहा है, जबकि इजरायल-हमास संघर्ष लंबा खिंच गया. चीन के साथ सीमा विवाद और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से भारत को भी लंबे संघर्ष का सामना करना पड़ सकता है. राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने स्वदेशी हथियारों की ताकत दिखाई, लेकिन आत्मनिर्भरता की राह अभी लंबी है. पांच-वर्षीय युद्ध का लक्ष्य मतलब है कि सेनाओं को लंबे समय तक टिकाऊ, लचीली और तकनीकी रूप से उन्नत बनना होगा.

रिपोर्ट CM योगी को सौंपी गई संभल हिंसा की 450 पन्नों की रिपोर्ट

हिंदुओं की घटती आबादी, दंगों की साजिशें

राष्ट्रबाण

लखनऊ. यूपी के संभल में पिछले साल हुई हिंसा के मामले में गठित कमेटी ने सीएम योगी आदित्यनाथ को रिपोर्ट सौंप दी है. हिंसा के मामले में करीब 450 पन्नों की रिपोर्ट सीएम को सौंपी गई है. इस रिपोर्ट में ना सिर्फ 24 नवंबर 2024 को हुई हिंसा के बारे में बताया गया है, बल्कि संभल के इतिहास में कब-कब कितने दंगे हुए, उन दंगों में क्या-क्या हुआ आदि के बारे में भी विस्तार से लिखा गया है.

सूत्रों के मुताबिक, संभल की न्यायिक हिंसा की रिपोर्ट में डेमोग्राफी बदलाव का भी जिक्र किया गया है. इसमें बताया गया कि कभी 45 फीसदी यहां हिंदू थे, जो आज घटकर 15 से 20 फीसदी ही रह गए हैं. अब इस रिपोर्ट के बाद शासन के द्वारा क्या निर्णय लिया जाता है ये देखने वाली बात होगी. इस पूरे मामले में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा तीन सदस्यीय जांच टीम बनाई गई थी. इसमें हाईकोर्ट के पूर्व सेवानिवृत्त जज देवेंद्र अरोड़ा को अध्यक्ष बनाया गया था. रिटायर्ड आईपीएस एके जैन और अमित प्रसाद सदस्य के रूप में शामिल किए गए थे.

संभल हिंसा की रिपोर्ट में क्या-क्या?

रिपोर्ट में लिखा है कि बार-बार दंगों से संभल में हिंदू आबादी कम होती गई. अब सिर्फ वहां 15 प्रतिशत हिंदू बचे हैं. जबकि, आजादी के वक्त संभल नगर पालिका में 45 प्रतिशत हिंदू थे. दंगों और तुष्टिकरण की राजनीति ने जिले की डेमोग्राफी बदल दी. आजादी के वक्त संभल नगर पालिका क्षेत्र में 55% मुस्लिम और 45% हिंदू रहते थे वर्तमान में संभल में लगभग 85% मुस्लिम और 20% हिंदू रहते हैं. यहां 1947, 1948, 1953, 1958, 1962, 1976, 1978, 1980, 1990, 1992, 1995, 2001, 2019 में दंगे हुए. आजादी के बाद से कुल 15 दंगे संभल में हो चुके हैं. जिला कई सारे आतंकवादी संगठनों का अड्डा बन चुका है. अलकायदा, हरकत उल मुजाहिद्दीन जैसे आतंकवादी संगठन संभल में पैर पसार चुके थे.

अगर 140 करोड़ लोगों ने मान ली PM मोदी की बात

फिर इन 30 अमेरिकी कंपनियों का भारत में क्या होगा?

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर एकतरफा 50 फीसदी टैरिफ थोप दिया है. भारत ने इसे अनुचित करार दिया है. अमेरिका के इस कदम का अब भारत में विरोध हो रहा है. क्योंकि अमेरिका का सबसे बड़ा कारोबारी दुश्मन चीन है.

इस बीच अब स्वदेशी अपनाने पर जोर दिया जा रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशवासियों से अपील की है कि विदेशी ब्रांड के मुकाबले देसी प्रोडक्ट्स खरीदें, जिससे भारत पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर बनेगा. अगर देश की 140 करोड़ जनता ने चाह लिया तो कुछ भी संभव है, केवल एक आदमी के स्वदेशी अपनाने से अमेरिका जैसी ताकत को कोई असर नहीं होगा. लेकिन अगर हर किसी ने आज से अमेरिकी प्रोडक्ट्स का बहिष्कार शुरू कर दिया, तो कुछ ही दिन में डोनाल्ड ट्रंप भी रास्ते पर आ जाएंगे. क्योंकि इससे भारत में मौजूद अमेरिका कंपनियों पर आर्थिक चोट पहुंचेगी और इसका नुकसान अमेरिका को उठाना पड़ेगा. लेकिन ये सब तब संभव होगा, जब हर भारतीय स्वदेशी अपनाएगा.

राष्ट्रबाण

फडणवीस सरकार काम के घंटे बढ़ाकर 10 करने की तैयारी में!

श्रम विभाग ने कैबिनेट मीटिंग में रखा यह प्रस्ताव

राष्ट्रबाण

मुंबई. महाराष्ट्र सरकार प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले लोगों के लिए एक बड़ा नियम लागू करने जा रही है. सरकार काम के घंटों को बढ़ाने पर विचार कर रही है. श्रम मंत्री आकाश फंडकर के अनुसार अभी महाराष्ट्र में 9 घंटे काम करने का नियम है, जिसे बढ़ाकर 10 घंटे बढ़ाने पर काम चल रहा है. यह प्रस्ताव श्रम विभाग ने मुंबई में हुई कैबिनेट मीटिंग में रखा था. मंत्री ने बताया कि प्रस्ताव पर काम शुरू हो गया है, हालांकि अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है.अगर ये बदलाव होता है तो महाराष्ट्र शॉप्स एंड एस्टेब्लिशमेंट्स (रेगुलेशन ऑफ़ एम्प्लॉयमेंट एंड कंडीशंस ऑफ़ सर्विस) एक्ट, 2017 में बदलाव करने होंगे. यह कानून दुकानों, होटलों, मनोरंजन केंद्रों और प्राइवेट बिजनेस में काम करने के घंटे और नौकरी की शर्तों को तय करता है.

कर सकेंगे ज्यादा ओवरटाइम

महाराष्ट्र सरकार का मानना है कि इस नियम के बदलाव के बाद महाराष्ट्र के नियम अंतर्राष्ट्रीय नियमों के जैसे हो जाएंगे और काम करने की जगह पर ज्यादा सुविधा मिलेगी. सबसे बड़ा बदलाव ओवरटाइम को लेकर है. अभी तीन महीने में 125 घंटे ओवरटाइम करने की अनुमति है, जिसे बढ़ाकर 144 घंटे किया जा सकता है. इसके साथ ही, लगातार काम करने के नियमों में भी बदलाव होंगे.

देर रात तक महिलाएं बाहर कर सकेंगी काम

नए नियम के तहत कर्मचारियों को आराम देने के लिए बीच-बीच में ब्रेक देना जरूरी होगा. ताकि उन पर काम का ज्यादा दबाव न पड़े. एक और बड़ा बदलाव यह होने जा रहा है कि नए श्रम कानूनों के बनने के बाद महिला कर्मचारियों को देर रात तक काम करने की अनुमति मिल सकती है. सरकार ने कहा कि इससे महिलाओं के लिए नौकरी के अवसर बढ़ेंगे.

श्रम कानून में बड़ा बदलाव

श्रम मंत्री ने कहा कि सरकार इस कानून के दायरे को भी बढ़ाने की सोच रही है. अभी नियम है कि जिस बिजनेस में 10 से कम कर्मचारी हैं, वे इस कानून में नहीं आते हैं. लेकिन नए प्रस्ताव के अनुसार इसे बदला जाएगा. फंडकर ने यह बताया कि अभी यह सब बातें शुरुआती दौर में हैं. उन्होंने कहा कि कई प्राइवेट कंपनियों में कर्मचारी पहले से ही तय समय से ज्यादा काम करते हैं, लेकिन उन्हें उसका सही पैसा नहीं मिलता.

सिर्फ 5 घंटे में मुंबई से रत्नागिरी पहुंच जाएंगे

1 सितंबर से शुरू होगी रो-रो सेवा

राष्ट्रबाण

मुंबई. महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से रत्नागिरी के बीच रो-रो सेवा 1 सितंबर से शुरू हो जाएगा. महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने गणेशोत्सव के आगाज पर यह गुड न्यूज महाराष्ट्र के लोगों को दी है. मुंबई से रत्नागिरी की दूरी पांच घंटे तय की जा सकेगी. नितेश राणे ने एक आधिकारी बयान में कहा है कि यह दक्षिण एशिया की सबसे तेज रो-रो फेरी सेवा होगी. गौरतलब हो कि इस सेवा के शुरू होने का इंतजार महाराष्ट्र के लोग काफी समय से कर रहे थे. गणपति के आगमन के साथ ही फडणवीस सरकार में मंत्री नितेश राणे ने यह बड़ा ऐलान किया है. यह सेवा मुंबई वासियों के लिए बड़ी सौगात साबित होगी.

महाराष्ट्र सरकार के अधिकारी के अनुसार यह सेवा न केवल मुंबई और कोंकण वासियों के लिए सुविधा-जनक होगी, बल्कि पर्यटकों के लिए भी किसी समुद्री रोमांचक यात्रा से कम नहीं होगी. महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई के भाऊचा धक्का से रत्नागिरी के जयगढ़ और मुंबई से सिंधुदुर्ग के विजयदुर्ग तक रो-रो सेवाएं शुरू करने का फैसला किया है. इसके लिए जरूरी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अनुमति के बाद समुद्र के रास्ते से मुंबई से कोंकण के लिए नया ट्रांसपोर्ट उपलब्ध होगा. राज्य सरकार की तरफ से मौसम में बदलाव को देखते हुए मछुआरों से कहा है कि वे समुद्र में न जाएं. 1 सितंबर सेक यह सेवा शुरू होगी. राज्य सरकार के एक अधिकारी के अनुसार केंद्र सरकार से जरूरी एनओसी मिल गई हैं.

महाराष्ट्र के मत्स्य पालन एवं बंदरगाह विकास मंत्री नितेश राणे ने कहा है कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने इस सेवा को री झंडी दे दी है. इस सेवा को शुरू करने के लिए 147 लाइसेंस प्राप्त हो चुके हैं. नितेश राणे के अनुसार भविष्य में रो-रो सेवा को श्रीवर्धन और मांडवा में स्टॉप दिया जाएगा, इससे पहले वहां पर जेटी का निर्माण किया जाएगा. राणे ने कहा कि रो रो सेवा से रेल और सड़क मार्ग पर पड़ने वाला बोझ भी कम होगा. काफी यात्री इस सेवा का लाभ उठाते हुए सफर कर पाएंगे. अधिकारियों का मानना है कि रो-रो सेवा मुंबई से कोंकण के बीच गेमचेंजर बन सकती है. सरकार ने दिघी और काशीद दोनों जगहों पर जेटी निर्माण में तेजी लाई जा रही है.

कितनी होगी रो-रो की रफ्तार?

मुंबई के भाऊचा धक्का से जयगढ़ तक तीन घंटे और भाऊचा धक्का से विजयदुर्ग तक पांच घंटे लगेंगे. यहां जेटी की सुविधा है. जेटी से शहर जाने के लिए बसें भी उपलब्ध कराई गई हैं. राज्य सरकार के अधिकारियों के अनुसार रो-रो सेवा की स्पीड 25 नॉट होगी. ऐसे में एम2एम नामक रो-रो नौका दक्षिण एशिया की सबसे तेज सेवा होगी. इसकी इकोनॉमी क्लास में 552, प्रीमियम इकोनॉमी में 44, बिजनेस में 48 और फर्स्ट क्लास में 12 यात्री बैठ पाएंगे. इसके अलावा वाहनों को ढोने की भी क्षमता होगी.

फास्ट ट्रैक

22 दिन पहले नौकरी जॉइन की, फिर बार के मालिक को मार डाला

राष्ट्रबाण

पुणे. महाराष्ट्र की आईटी सिटी पुणे में एक हैरान कर देने वाली घटना हुई. यहां उत्तम नगर इलाके के पीकॉक रेस्टोरेंट एंड बार में काम करने वाले एक वेटर ने अपने मालिक की ही हत्या कर दी. बताया जा रहा है कि वेटर शराब का लती थी. मालिक ने उसे कई बार शराब पीने के लिए टोका था. मंगलवार देर रात उसने फिर शराब पी तो मालिक ने उसे डांटा. इसी बात पर गुस्से में आकर वेटर ने मालिक को मार डाला. पुलिस ने आरोपी वेटर को गिरफ्तार कर लिया है.

उत्तम नगर पुलिस ने बताया कि संतोष सुंदर शेट्टी 44 साल के ते. वह शिवणे के स्नेहा विहार में अपने परिवार के साथ रहते थे. उनका कोंढवे धावड़े में एनडीए रोड पर के बार एंड रेस्टोरेंट था. 22 दिन पहले उमेश दिलीप गिरी (38) नाम का शख्स उनके यहां काम मांगने आया था. उन्होंने उसे वेटर की नौकरी पर रख लिया.उत्तम नगर पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर मोहन खंदारे ने बताया कि उमेश रेस्टोरेंट में काम करते समय शराब पी लेता था.उसे संतोष ने डांटा था.मंगलवार को वह चुपचाप शराब पी रहा था.

जया किशोरी ने बताया उन्हें क्या पसंद है

राष्ट्रबाण

पुणे. प्रसिद्ध कथावाचक जया किशोरी महाराष्ट्र के पुणे के एक अलग अंदाज में नजर आईं. गणपति मंडल के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में पहुंची जया किशोरी ने अपनी पंसद से लेकर शादी के सवाल पर खुलकर बात की. उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र आकर खुशी मिलती है क्योंकि उनकी मां महाराष्ट्र से हैं. उनका यहां पर ननिहाल है. ऐसे में महाराष्ट्र का खानपान उन्हें पंसद हैं. गणपति के प्राण प्रतिष्ठा में बुलाए जाने पर उन्होंने कहा कि मेरा प्रमोशन हो रहा है. मैं पिछली बार आरती में आई थी लेकिन इस बार प्राण-प्रतिष्ठा में आई हूं. कानों में झुमके और फैंसी दुप्टा डालकर पहुंची जया किशोरी श्रीमंत बाबूसाहेब रंगारी गणपति के कार्यक्रम में आर्कषण का केंद्र बनी रहीं. उन्होंने ने लोगों ने कहा कि अगले 10 दिनों के लिए आधुनिकता का त्याग कर दे और फिर भक्ति में लीन रहें.जया किशोरी ने कहा कि डीजे मुक्त और शोरगुल से मुक्त आयोजन सच्ची भक्ति को दर्शाते हैं.

डीजे पर भी बोलीं जया किशोरी

जया किशोरी ने कहा कि पुनीत बालन की तरफ से गणपति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को डीजे मुक्त रखने की तारीफ की. उन्होंने कहा कि डीजे मुक्त गणपति का आयोजन अच्छी पहल है. जया किशोरी ने कहा कि डीजे-मुक्त गणपति गणेशोत्सव समारोहों की पवित्रता और आध्यात्मिक सार को पुनर्स्थापित करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है.

रिस्क के लिए IIT बॉम्बे छात्र ने छोड़ी 8 करोड़ की Meta AI नौकरी!

राष्ट्रबाण

मुंबई. मेटा ने अपनी सुपरइंटेलिजेंस लैब में कुछ बड़े बदलाव किए. इस लैब में OpenAI, गूगल और एप्पल जैसी कंपनियों से कई बड़े इंजीनियर्स को नौकरी पर रखा गया. इसी में से एक थे आईआईटी बॉम्बे से इंजीनियरिंग करके निकले ऋषभ अग्रवाल. ऋषभ अग्रवाल को मेटा ने 8 करोड़ रुपये के पैकेज की नौकरी पर रखा लेकिन ऋषभ ने महज 5 महीने के अंदर ही नौकरी छोड़ दी. अब ऋषभ की खूब चर्चा हो रही है.

कुछ अलग करने के लिए छोड़ नौकरी

ऋषभ अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर बताया कि वह अब एक अलग तरह का रिस्क लेना चाहते हैं. वह अब कुछ नया करना चाहते हैं. उन्होंने कहा कि सुपरइंटेलिजेंस TBD लैब को छोड़ने का फैसला लेना मुश्किल था. यहां मौजूद टैलेंट और कंप्यूटिंग पावर को देखते हुए यह और भी ज्यादा कठिन था. लेकिन गूगल ब्रेन, डीपमाइंड और मेटा में साढ़े साल साल नौकरी के बाद भी वह संतुष्ट नहीं हैं. उन्हें लगता है कि कुछ अलग करना चाहिए, इसलिए उन्होंने इस्तीफा दे दिया है.

ऋषभ अग्रवाल अकेले नहीं हैं जिन्होंने मार्क जुकरबर्ग की सुपरइंटेलिजेंस टीम छोड़ी है. हाल ही में कम से कम तीन रिसर्चर्स ने उनकी टीम छोड़ी है. उनमें से दो तो वापस OpenAI में चले गए. उसमें भी भारतीय अवि वर्मा थे.

गूगल ब्रेन से ऋषभ गूगल डीपमाइंड में गए. वहां उन्होंने रीइन्फोर्समेंट लर्निंग और सेल्फ-इम्प्रूवमेंट तरीकों का इस्तेमाल करके बड़े लैंग्वेज मॉडल्स को बेहतर बनाने पर काम किया. अप्रैल 2025 में मेटा की नई लैब सुपरइंटेलिजेंस लैब में शामिल हुए.

ऋषभ अग्रवाल कौन ?

ऋषभ अग्रवाल एक भारतीय हैं. उन्होंने IIT बॉम्बे से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की. उन्होंने क्यूबेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंस्टीट्यूट से कंप्यूटर साइंस में डॉक्टरेट की डिग्री भी ली. उन्होंने अपने करियर की शुरुआत Saavn, Tower Research Capital और Waymo में इंटर्नशिप से की थी. 2018 में ऋषभ ने गूगल ब्रेन में सीनियर रिसर्च साइंटिस्ट के तौर पर नौकरी जॉइन की थी.

गणेशोत्सव के दौरान मध्य रेलवे यातायात बाधित

राष्ट्रबाण

ठाणे. गणेशोत्सव के दौरान मध्य रेलवे यातायात बाधित होने की जानकारी सामने आ रही है. टिटवाला के पास एक मालगाड़ी के इंजन में खराबी आ गई है. टिटवाला और अंबिवली के बीच एक मालगाड़ी के इंजन में खराबी आने से मध्य रेलवे पर यातायात बाधित हो गया है. इस खराबी के कारण कल्याण से टिटवाला जाने वाली ट्रेन सेवा आधे घंटे देरी से चल रही है. जबकि टिटवाला से कल्याण जाने वाली ट्रेन सेवा पूरी तरह से बंद कर दी गई है. रेलवे प्रशासन युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य कर रहा है.मध्य रेलवे ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है. टिटवाला और अंबिवली के बीच एक मालगाड़ी मुंबई की ओर जा रही थी, तभी उसमें तकनीकी खराबी आ गई. इससे कल्याण जाने वाली ट्रेन प्रभावित हुई है. हमारी टीम युद्धस्तर पर काम कर रही है. यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है,मध्य रेलवे प्रशासन ने एक ट्वीट में कहा.इस समय पूरे राज्य में गणेशोत्सव की धूम है. मुंबई में गणेश चतुर्थी का एक अलग ही उल्लास है. लालबागचा राजा के दर्शन के लिए हर दिन लाखों श्रद्धालु मुंबई आते हैं. लेकिन मध्य रेलवे से यात्रा करने वाले यात्रियों को आज काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. क्योंकि टिटवाला से मुंबई आने वाला यातायात बाधित हो गया है.

अरुण गवली को सुप्रीम कोर्ट से जमानत

कमलाकर जामसांडेकर हत्याकांड में बड़ा अपडेट

राष्ट्रबाण

मुंबई. इस वक्त की सबसे बड़ी खबर सामने आ रही है. सुप्रीम कोर्ट ने कमलाकर जामसांडेकर हत्याकांड में अरुण गवली को ज़मानत दे दी है. इसलिए, यह अरुण गवली के लिए बड़ी राहत है. अरुण गवली ने कई बार ज़मानत के लिए अर्ज़ी दी थी. आखिरकार सुप्रीम कोर्ट ने उसे ज़मानत दे दी है. अरुण गवली ने कई आधारों पर ज़मानत के लिए अर्ज़ी दी थी. लेकिन अदालत ने कई बार उसकी ज़मानत अर्ज़ी खारिज कर दी थी. आखिरकार, अब सुप्रीम कोर्ट ने अरुण गवली की ज़मानत अर्ज़ी मंज़ूर कर ली है.शिवसेना के दिवंगत पार्षद कमलाकर जामसांडेकर की 18 साल पहले घाटकोपर में हत्या कर दी गई थी. अरुण गवली एक अन्य मामले में नागपुर जेल में बंद था. बॉम्बे हाईकोर्ट ने उसे कुछ शर्तों के साथ ज़मानत दे दी थी. लेकिन कमलाकर जामसांदेकर हत्याकांड में उसे ज़मानत नहीं मिल रही थी. आखिरकार आज सुप्रीम कोर्ट ने उसे ज़मानत दे दी.

कमलाकर जामसांडेकर की घाटकोपर स्थित उनके घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. कमलाकर अपने दैनिक काम निपटाकर घर आए थे. वह घर पर टीवी देख रहे थे. इसी दौरान अचानक गुंडे उनके घर में घुस आए और कमलाकर पर गोलियां चला दीं. इस गोलीबारी में कमलाकर की मौत हो गई.

कमलाकर जामसांदेकर हत्याकांड क्या है?

कमलाकर जामसांदेकर हत्याकांड ने मुंबई में काफी हलचल मचा दी थी. उस समय इस हत्याकांड को लेकर काफी चर्चा हुई थी. पुलिस ने इस मामले की गहन जाँच की थी. इस मामले में अरुण गवली को गिरफ्तार किया गया था. अदालत ने अरुण गवली को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी. गौरतलब है कि जब अदालत ने हत्या की थी, तब अरुण गवली विधायक थे. यह पहली बार था जब किसी विधायक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी.

'पापा ने मम्मी को जलाकर मार डाला'

बेटी ने खोला राज

राष्ट्रबाण

मुंबई/ठाणे. नवी मुंबई में एक आदमी ने अपनी पत्नी को जलाकर मार डाला. उसे शक था कि पत्नी के किसी और के साथ अवैध संबंध है. उसने इस घटना को आत्महत्या दिखाने की कोशिश की. पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी की सात साल की बेटी ने पूरी घटना देखी थी और पुलिस को बताया कि उसके पिता ने ही उसकी मां को जलाकर मारा है. यह घटना 25 अगस्त को उरण इलाके के पगोटेगांव में हुई थी.पुलिस के अनुसार, राजकुमार रामशिरोमणि साहू नाम के एक 35 साल के व्यक्ति को अपनी 32 वर्षीय पत्नी जगरानी पर अवैध संबंध का शक था. इसी शक के चलते उसने यह खौफनाक कदम उठाया. उरण पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक हनीफ मुलानी ने बताया कि आरोपी को अपनी पत्नी बुरी तरह से जल गई थी. उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी ने खुद को कमरे में बंद कर लिया और आग लगाकर आत्महत्या कर ली. पुलिस ने शुरू में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया था.जांच के दौरान पुलिस को आरोपी के बयान में कुछ झोल नजर आए.

मनोज जरांगे के आंदोलन पर मंत्री बावनकुले सख्त

बोले- मराठा को आरक्षण, OBC में कोई बदलाव नहीं!

राष्ट्रबाण

मुंबई. महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने बुधवार को साफ कर दिया कि राज्य सरकार मराठा समुदाय को आरक्षण देने के लिए अडिग है और यह आरक्षण अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के कोटे को प्रभावित किए बिना दिया जाएगाबावनकुले की यह टिप्पणी उस समय आई जब मराठा आंदोलनकारी मनोज जरांगे ने ओबीसी के तहत 10 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया है.नागपुर में बावनकुले ने कहा, "सरकार का रुख यही है कि मराठा समुदाय को आरक्षण मिलना चाहिए और इसके लिए ओबीसी कोटे में कोई बदलाव नहीं होगा. हम इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं." उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार इस मुद्दे पर गंभीर है और मराठा समुदाय को न्याय दिलाने में पीछे नहीं हटेगी.

बता दें मनोज जरांगे मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर लंबे समय से सक्रिय हैं. उनकी मांग है कि मराठा समुदाय को ओबीसी कोटे के तहत 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए. इसके लिए उन्होंने कई बार भूख हड़ताल और प्रदर्शन किए हैं.जरांगे का कहना है कि मराठा समुदाय आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़ा है, और उसे शिक्षा व नौकरियों में उचित प्रतिनिधित्व चाहिए.

जरांगे की टिप्पणी पर मंत्री ने जताई नाराजगी

राजस्व मंत्री ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ मनोज जरांगे द्वारा की गई टिप्पणी पर भी आपत्ति जताई. मनोज के बयान को अपमानजनक बताया है. बावनकुले ने कहा, "महाराष्ट्र फडणवीस का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा. राज्य की जनता यह सुनिश्चित करेगी कि जरांगे को इसके लिए सबक सिखाया जाए."उन्होंने यह संदेश स्पष्ट किया कि राजनीतिक आलोचना और असहमति की अपनी जगह है, लेकिन किसी भी नेता का अपमान राज्य सरकार और जनता सहन नहीं करेगी.

दोस्त ने बांधे हाथ-पैर, दी किडनी निकालने की धमकी!

राष्ट्रबाण

मुंबई. नवी मुंबई में कर्ज को लेकर विवाद में एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है. यहां एक शख्स ने कर्ज न चुकाने से गुस्साकर अपने ही दोस्त की जमकर पिटाई कर डाली. इतना ही नहीं बल्कि उसने कर्ज का पैसा न लौटाने पर उसकी किड्नियां निकाल लेने की धमकी भी दी. पीड़ित नवी मुंबई के पनवेल के अकुरली का रहने वाला एक ऑटो-रिक्शा चालक है.कथित घटना 9 अगस्त को हुई थी, लेकिन पीड़ित ने 26 अगस्त को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई.

बर्थडे पार्टी में बिल्डिंग ढही, 17 की मौत!

राष्ट्रबाण

मुंबई. मुंबई के पास पालघर में हुए विरार बिल्डिंग हादसे ने हर किसी को हिलाकर रख दिया. विरार पूर्व में एक रिहायशी इमारत गिर गई. हादसे में अब तक 17 शव मलबे से निकाले जा चुके हैं. हादसा रामबाई अपार्टमेंट का एक हिस्सा गिरने के बाद हुआ. अभी भी रेस्क्यू कार्य जारी है. मलबे में और लोगों के निकलने की आशंका है. जब यह हादसा हुआ, तब इमारत की चौथी मंजिल पर जन्मदिन की पार्टी चल रही थी. एक बच्ची का पहला जन्मदिन था. उसकी भी अपने परिवार समेत इस हादसे में मौत हो गई है.

जिंदगी तलाश रहे, पर मिल रहीं लाशें

बचाव दल दो दिनों से लगातार जीवित लोगों की तलाश कर रहा है लेकिन निकल रही हैं तो सिर्फ लाशें. महाराष्ट्र के पालघर जिले में आने वाला विरार मुंबई महानगर क्षेत्र का हिस्सा है. यहां हाल बीते वर्षों से इमारत गिरने की कई घटनाएं हुई हैं.

चंद्रशेखर आजाद की पार्टी का बड़ा ऐलान

AIMIM के साथ मिलकर लड़ सकते हैं चुनाव

राष्ट्रबाण

मुंबई. चंद्रशेखर आजाद की पार्टी आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) महाराष्ट्र में होने वाले नगर निकाय का चुनाव लड़ेगी. पार्टी के महाराष्ट्र स्टेट सेंट्रल इंचार्ज गौरी प्रसाद उपासक ने इसकी जानकारी दी. उन्होंने कहा कि AIMIM के साथ मिलकर हम चुनाव लड़ सकते हैं. उन्होंने कहा कि हम ताकत के साथ लोकल बॉडी का चुनाव लड़ेंगे. इसके पीछे कारण ये है कि हमारे सांसद चंद्रशेखर आजाद के संघर्ष को देखते हुए करोड़ों युवा, दलित और मुस्लिम आजाद समाज पार्टी से जुड़ रहे हैं. इन सारी बातों को देखते हुए, हमारे संगठन की महाराष्ट्र में मजबूती के आधार पर हम चुनाव लड़ेंगे.

किन मुद्दों पर चुनाव लड़ेगी पार्टी गौरी प्रसाद ने कहा, हम शिक्षा के मुद्दे पर चुनाव लड़ेंगे. आज शिक्षा बहुत महंगी है. गरीब के हाथ से बात निकल गई है. शिक्षा सस्ती होनी चाहिए उस पर चर्चा करेंगे. अगर हेल्थ की बात करेंगे तो गरीब को दवाई नहीं मिलती.

दलित-मुस्लिम भाई-भाई- गौरी प्रसाद

इसके आगे उन्होंने कहा,अनौपचारिक रूप से हमारी AIMIM के साथ चर्चा हुई है. औपचारिक चर्चा जब होगी तब हम बताएंगे कि हम कितनी और वो कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे. संभावना है कि शायद AIMIM के साथ हमारा गठबंधन हो जाए और हम देश में संदेश देना चाहते हैं कि दलित और मुस्लिम भाई-भाई हैं. ओबीसी हमारा भाई है. कुछ फिरका परस्ती दल हमारे देश में जाति और धर्म के नाम पर बांटना चाहते हैं.

प्रगति NHSRCL ने मुंबई से अहमदाबाद तक का दिया पूरा अपडेट

PM मोदी के जापान दौरे से पहले कहां तक पहुंचा बुलेट ट्रेन का काम?

राष्ट्रबाण

मुंबई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जापान दौरे से पहले नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन (NHSRCL) ने बुलेट ट्रेन के काम का लेटेस्ट अपडेट साझा किया है. बुलेट ट्रेन परियोजना पीएम मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल है. इसके तहत गुजरात के अहमदाबाद से मुंबई के बांद्रा तक हाईस्पीड बुलेट ट्रेन कॉरिडोर को निर्माण हो रहा है. एनएचएसआरसीएल ने 27 अगस्त तक अपडेट साझा किया है. इसमेंबताया है कि 508 किलोममीटर लंबे कॉरिडोर में 317 किलोमीट हिस्से पर वायाडक्ट का काम पूरा कर लिया गया है. पियर वर्क 396 किमी, पियर फाउंडेशन 407 किमी और गर्डर कास्टिंग का काम 337 किमी हिस्से पर पूरा हो चुका है. बुलेट ट्रेन का बड़ा हिस्सा गुजरात में है. गुजरात और डीएनएच 352 किमी कॉरिडोर हैं जबकि महाराष्ट्र में 156 किमी हिस्सा पड़ता है.NHSRCL ने बताया है कि महाराष्ट्र में बीकेसी और शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी सुरंग का काम निर्माणाधीन है. न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग विधि (एनएटीएम) के माध्यम से शिलफाटा और एडीआईटी पोर्टल से दो समवर्ती फेस से लगभग 4.5 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण पूरा हो चुका है. पालघर जिले में सात पहाड़ी सुरंगों की खुदाई का काम चल रहा है.

गुजरात में लग रहे नॉइज बैरियर

NHSRCL के अनुसार गुजरात में वायाडक्ट पर नॉइज बैरियर लगाने का काम चल रहा है. लगभग 3,90,000 नॉइज बैरियर 195 किमी लंबे खंड पर लगाए जा चुके हैं. इतना ही नहीं गुजरात में 198 ट्रैक किमी ट्रैक बेड निर्माण पूरा किया जा चुका है. वायाडक्ट पर 200 मीटर लंबे रेल पैनल बनाने हेतु वेल्डिंग कार्य प्रगति पर है.

बुलेट ट्रेन में कुल 12 स्टेशन हैं

मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में कुल 12 थीम आधारित स्टेशन हैं. इसमें गुजरात में साबरमती, अहमदाबाद, आणंद, वडोदरा, भरूच, सूरत, बिलीमोरा, वापी है. जबकि महाराष्ट्र में बोइसर, विरार, ठाणे और मुंबई हैं. NHSRCL ने कहा है कि कुल 21 नदी पुल हैं. इसमें 17 नदियों पर पुल का निर्माण पूरा किया जा चुका है. ये पुल पार (वलसाड), पूर्णा (नवसारी), मिन्धोला (नवसारी), अम्बिका (नवसारी), औरंगा (वलसाड), वेगनिया (नवसारी), मोहर (खेड़ा), धाधर (वडोदरा), कोलक (वलसाड), वत्रक (खेड़ा), कावेरी (नवसारी), खरैरा (नवसारी), मेश्वा (खेड़ा), किम (सूरत), दरोथा (वलसाड), दमन गंगा (वलसाड) और विश्वामित्रि (वडोदरा) पर बनाए गए हैं. इसके साथ आठ स्टील ब्रिज बन चुके हैं.

अमिताभ की फिल्म डूबने से बची सलमान की वजह से

अमिताभ बच्चन ने कई ऐसी फैमली ड्रामा फिल्में की हैं, जिन्होंने लोगों की आंखें नम कर दी हैं. लेकिन उन्होंने एक ऐसी भी फिल्म बनाई, जिसे बड़ी उम्र के लोगों से लेकर छोटी उम्र तक के लोगों ने भी खूब पसंद किया. 22 साल पहले आई उनकी एक फिल्म को बड़े पर्दे पर रिलीज करने के लिए खरीददार तक नहीं मिल रहे थे.

फिल्म बनकर तैयार थी, लेकिन डिस्ट्रीब्यूटर उसे सिनेमाघरों में रिलीज ही नहीं कर रहे थे. फिर सलमान खान ने उस वक्त एक फैसला लिया और अमिताभ बच्चन की फिल्म सुपरहिट साबित हुई.दरअसल जिस फिल्म की हम बात कर रहे हैं, वो कोई और नहीं, बल्कि साल 2003 में रिलीज हुई बागबान थीं. इस पिक्चर को महाभारत बनाने वाले निर्माता बी आर चोपड़ा थे. फिल्म के डायरेक्टर रवि चोपड़ा की पत्नी रेणु चोपड़ा ने एक इंटरव्यू के दौरान इस बात का खुलासा किया था कि फिल्म में सलमान खान की एंट्री के बाद क्या हुआ?बागबान पहले 4 दिन चली ही नहीं. शुक्रवार, शनिवार, रविवार और सोमवार और रवि सोच रहे थे कि मैंने क्यों बनाई बागबान. बागबान बनकर तैयार हुई...सारी पिक्चर रेडी थी और कोई डिस्ट्रीब्यूटर लेने को तैयार नहीं था. उन्होंने कहा कि बहुत ओल्ड फैशन फिल्म है. उन दिनों अमित जी (अमिताभ बच्चन) भी कुछ खास नहीं चल रहे थे. उन्होंने कहा इसे कोई भी हाथ नहीं लगाएगा.रेणु चोपड़ा ने आगे कहा, "फिर किसी ने रवि को कहा कि आप सलमान खान को फिल्म में गेस्ट अपीयरेंस में ले लो. रवि सलमान को जानते थे. लेकिन वैसे नहीं जानते थे, जैसे अब हम उन्हें जानते हैं. सलमान रवि को फिल्ममेकर के तौर पर और रवि सलमान को बड़े एक्टर के तौर पर जानते थे. सलमान ने रवि से कहा कि मेरे घर आ जाओ. वो बेहद सिंपल इंसान हैं. सलमान ने अपना रोल सुना और कहा उन्हें ये काफी पसंद आया. उनका कहना था कि ये किरदार वैसा है, जैसे वो अपने माता-पिता को देखते हैं."सलमान खान ने बागबान में कैमियो करने के लिए मेकर्स से पैसों की बात तक नहीं की थी. फिल्म में सलमान की एंट्री होते ही डिस्ट्रीब्यूटर खुद आकर डील करने लगे. 10 करोड़ में बनी बागबान जब सिनेमाघरों में रिलीज हुई, तो लोगों की थिएटर के बाहर लाइन लग गई.

सनी देओल संग दिखेंगी प्रिटी

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा की वापसी का उनके फैन्स को बेसब्री से इंतजार है. लंबे वक्त से वो किसी फिल्म में नहीं दिखी हैं. हालांकि, भारत भी तब ही आती हैं, जब आईपीएल की शुरुआत होती है. जिसके बाद अपने परिवार के पास वापस विदेश लौट जाती हैं. यूं तो पहले ही कंफर्म हो चुका है कि वो सनी देओल की 'लाहौर 1947' से वापसी को तैयार है.

हालांकि, फिल्म को लेकर कोई अपडेट नहीं मिल रहा है कि कब तक काम कंप्लीट किया जाएगा. हालांकि, इस फिल्म के अलावा उनके खाते में दो और प्रोजेक्ट है. दरअसल आखिरी बार प्रीति जिंटा को 2018 में आई 'भैयाजी सुपरहिट' में देखा गया था. अब वो बॉलीवुड और हॉलीवुड के हाई प्रोफाइल प्रोजेक्ट्स से वापसी करने की तैयारी है. जिसमें एक संजय लीला भंसाली के साथ भी है. आइए जानते हैं उनके प्रोजेक्ट के बारे में.यह तो कंफर्म है कि प्रीति जिंटा को सनी देओल के साथ देखा जाएगा. उनकी लाहौर 1947 के लिए फैन्स भी काफी एक्साइटेड हैं. वहीं इस फिल्म के प्रोड्यूसर आमिर खान हैं. जिनका पिक्चर में कैमियो होने की बात भी कही जा रही है. पर अब भी काम अटका हुआ है, जिसे लेकर रिलीज डेट पर कोई अपडेट नहीं मिला है. एक वेब साइट की खबर के मुताबिक, फिल्म को नवंबर 2025 या 2026 की शुरुआत में रिलीज करने की प्लानिंग चल रही है. हालांकि, बड़ा अपडेट भंसाली की 'हीरामंडी 2' पर मिला है. इसी रिपोर्ट से पता लगा कि 'हीरामंडी 2' में प्रीति जिंटा भी नजर आ सकती हैं. कहा जा रहा है कि पार्ट 2 के अहम रोल के लिए उनके नाम पर चर्चा चल रही है.

दरअसल पहले पार्ट के बाद सोशल मीडिया पर कहा गया था कि प्रीति जिंटा को एक रोल के लिए चुना जा सकता है. भंसाली उन्हें एक अहम रोल के लिए लॉक कर सकते हैं. वहीं वाईआरएफ भी एक फिल्म को लेकर उनसे बात कर रहे हैं. यह रोमांटिक क्राइम ड्रामा इस साल के एंड तक शुरू हो सकती है.

माधुरी की ये 5 फिल्में रहीं बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप

बॉलीवुड के इतिहास की सबसे बेहतरीन अदाकाराओं में अपना नाम शुमार करा चुकीं 'धक धक गर्ल' यानी माधुरी दीक्षित ने अपने सफल करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं. उन्होंने 80 और 90 के दशक में कई फिल्मों से बॉक्स ऑफिस को रौशन कर दिया था. लेकिन, माधुरी के खाते में कई फ्लॉप फिल्में भी दर्ज हैं. आज हम आपको उनकी 5 ऐसी ही फिल्मों के बारे में बता रहे हैं.

इसमें एक-एक फिल्म उन्होंने अक्षय कुमार और अजय देवगन जैसे सुपरस्टर्स के साथ भी की थी.24 साल पहले रिलीज हुई फिल्म 'लज्जा' बॉक्स ऑफिस पर पिट गई थी. माधुरी के साथ इसमें अजय देवगन, मनीषा कोइराला और अनिल कपूर जैसे सितारे भी थे. 20 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म ने सिर्फ 15 करोड़ रुपये की कमाई की थी.साल 2007 में आई फिल्म 'आजा नचले' का हाल तो लज्जा से भी ज्यादा बुरा हुआ था. मेकर्स ने 18 साल पुरानी इस फिल्म को 25 करोड़ रुपये के बजट में बनाया था. वहीं भारत में इसने सिर्फ 14.07 करोड़ रुपये का कारोबार किया था.14 साल पुरानी फिल्म 'डेढ़ इश्किया' को मेकर्स ने 37 करोड़ रुपये के अच्छे बजट में बनाया था, लेकिन फिल्म की कमाई भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 27.50 करोड़ रुपये हुई हुई थी और साल 2014 की ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिर गई थी.'गुलाब गैंग' तो अपने बजट का आधा भी नहीं वसूल पाई थी. ये फिल्म भी साल 2014 में ही रिलीज हुई थी. सौमिक सेन के डायरेक्शन में बनी पिक्चर का बजट 29 करोड़ रुपये था तो वहीं इसकी कमाई सिर्फ 14 करोड़ रुपये हुई थी.माधुरी दीक्षित और अक्षय कुमार ने साथ में सिर्फ एक फिल्म की है, लेकिन उनकी वो फिल्म भी दर्शकों को पसंद नहीं आई थी. इस फिल्म का नाम है आरजू' जो 26 साल पहले साल 1999

इस बार बप्पा नहीं आए शिल्पा के घर

देशभर में गणेश चतुर्थी का त्योहार बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है. इस पर्व को आम लोग ही नहीं बल्कि बॉलीवुड से लेकर टीवी इंडस्ट्री तक के सेलेब्स भी श्रद्धा भाव से मनाते हैं. कुछ बॉलीवुड सितारों की गणेश चतुर्थी काफी चर्चा में रहती हैं. उन्हीं में एक नाम शिल्पा शेट्टी का भी है.

जो हर साल हर्षोल्लास और गाजे-बाजे के साथ बप्पा का स्वागत करती हैं, लेकिन इस साल उनकी 22 साल परंपरा टूट गई और वो बप्पा को घर लेकर नहीं आईं. ऐसे में एक्ट्रेस बप्पा को काफी मिस रही हैं और उन्होंने एक इमोशनल वीडियो शेयर कर अपने दिल की बात कही है.शिल्पा शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कई सालों की गणेश चतुर्थी की झलक एक साथ दिखाई है. इस क्लिप में कभी वह अपने परिवार के साथ बप्पा की आरती करती नजर आ रही हैं. तो कभी विसर्जन के समय डांस करती दिखाई दीं. ये सब याद करके एक्ट्रेस काफी इमोशनल हो गई जिसकी झलक वीडयो के कैप्शन में देखन को मिली. शिल्पा ने क्लिप के साथ नोट लिखा, 'इस साल आपके बिना घर अधूरा सा लगता है, पर दिल आपकी दुआओं से भरा है.' एक्ट्रेस का ये पोस्ट अब वायरल हो रहा है और फैंस जमकर रिएक्शन दे रहे हैं.

आमिर खान ने साफ किया मन का बोझ

आमिर खान लगातार विवादों में हैं और इस उनके भाई फैसल खान के कुछ आरोप खबरों का हिस्सा हैं। बता दें कि आमिर खान ने इसके पहले किरण राव को जब तलाक दिया था तो वो काफी ट्रोल हुए थे। अब वो गौरी स्प्रैट के साथ में हैं। लेकिन अब एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें आमिर खान अपना दुखड़ा रहे हैं। उन्होने पत्नी से तलाक और भाई के साथ कानूनी विवाद को लेकर खुलकर बात की है। उन्होने ये भी कहा है कि इंडस्ट्री से भी उनको प्यार नहीं मिलता है। जैसे ही ये वीडियो वायरल हुआ ये आग की तरह वायरल हो रहा है। इस वीडियो में आमिर खान ने कहा, ''इतने सालों में मेरी दो बीवियों ने मुझे छोड़ दिया। मेरे भाई ने मुझपर केस ठोंक दिया। और इस इंडस्ट्री ने भी मुझे आजतक थोड़ा सा भी प्यार नहीं दिया। साले हर साल नॉमिनेट करते हैं लेकिन आज तक अवॉर्ड नहीं दिया।'' आमिर खान के इस वीडियो को देखकर अगर आपको भी लग रहा है कि वो रियल लाइफ में अपनी समस्याओं के बारे में बता रहे हैं तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। ये वीडियो आमिर खान की फिल्म सीक्रेट सुपरस्टार है। इस दौरान वो अपने कैरेक्टर का डायलॉग बोलते हुए दिख रहे हैं। लेकिन वीडियो इसलिए वायरल हो रहा है क्योंकि कहीं हद तक लोगों का मानना है कि उनकी रियल लाइफ भी कुछ वैसी ही है। आमिर खान का दो बार तलाक हो चुका है और उनके भाई फैसल के साथ उनका विवाद जारी है।

'अकेली लैला' में सोनम का ग्लैमरस अवतार वायरल

एक्शन से भरपूर 'बागी' फ्रैंचाइज़ी की अगली फिल्म 'बागी 4' का इंतजार दर्शक बेसब्री से कर रहे हैं. फिल्म के रिलीज से पहले ही इसके गाने धूम मचाने लगे हैं. हाल ही में फिल्म का एक धमाकेदार गाना 'अकेली लैला' रिलीज हुआ है, जिसने आते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. इस गाने में एक्ट्रेस सोनम बाजवा का ऐसा कातिलाना और स्टाइलिश अंदाज देखने को मिला है, जिसे देखकर फैंस उनके दीवाने हो गए हैं. गाने के रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर फैंस की जबरदस्त प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हो गई हैं। हर कोई सोनम बाजवा के डांस और उनकी खूबसूरती की तारीफ कर रहा है.'अकेली लैला' एक हाई-एनर्जी डांस नंबर है, जिसे सुनकर आप खुद को थिरकने से रोक नहीं पाएंगे. गाने का म्यूजिक बहुत ही कैची और पेपी है, जो युवाओं को खासतौर पर पसंद आ रहा है. लेकिन इस गाने की जान है सोनम बाजवा का जबरदस्त डांस और उनका ग्लैमरस अवतार. उन्होंने अपने डांस मूव्स से गाने में आग लगा दी है. वीडियो में सोनम बाजवा कई स्टाइलिश और बेहद खूबसूरत आउटफिट में नजर आ रही हैं. साथ ही उनकी अदाएं, एक्सप्रेशन और डांस स्टेप्स इतने शानदार हैं कि नजरें हटाना मुश्किल हो जाता है. हमेशा की तरह, टाइगर श्रॉफ भी अपने स्वैग के साथ गाने में मौजूद हैं. गाने में उनका कूल एटीट्यूड और कुछ शानदार एक्शन मूव्स भी देखने जो को मिल रहा है.इस गाने में इंडस्ट्री के फेमस सिंगर् 'पायल देव' ने अपनी आवाज दी है, जिनकी दमदार आवाज ने इसे और भी खास बना दिया है. वहीं ने के बोल बेहद मजेदार और आज के युवाओं के हिसाब से लिखे गए हैं. गाने का सेट बहुत शानदार है, जिसमें शानदार लाइटिंग और कोरियोग्राफी का इस्तेमाल किया गया है. इस गाने को रिलीज हुए अभी 24 घंटे भी नहीं हुए हैं और एक ही दिन में ये गाना ट्रेंड कर रहा है. इस गाने को अभी तक 8 लाख से ज्यादा लोगों ने देखा है.

फर्श से अर्श तकः प्रेरणा हैं संगीतकार राजेश रोशन

बॉलीवुड में कई सितारों ने फर्श से अर्श तक का सफर तय किया है, लेकिन संगीतकार राजेश रोशन की कहानी आपके लिए काफी अलग और प्रेरणादायक साबित होगी. दरअसल यह एक ऐसा कलाकार है, जिसका जन्म गेराज में हुआ था. लोग से मनहूस कहकर बुलाते थे. ऐसे में उनके लिए अपने आप को साबित करना काफी चुनौतीपूर्ण रहा हालांकि इन्होंने अपने करियर में ऐसी उपलब्धियां हासिल की की जो लोग इन्हें मनहूस कहते थे वह आज उनके उनसे मिलने के लिए तरसते हैं. इन्होंने इंडस्ट्री को इतने सुपरहिट गाने दिए कि लोग गानों के दीवाने हो गए. एक वक्त ऐसा भी आया, जब इन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए अपना घर-गाड़ी तक गिरवी रखना पड़ा.राजेश रोशन का बचपन भी काफी मुश्किलों भरा रहा. उनके पिता दिग्गज संगीतकार रोशन (रोशन लाल नागरथ) जब संगीत की दुनिया में अपनी पहचान बना रहे थे, तब उनके परिवार को काफी संघर्ष करना पड़ा.

आर्थिक तंगी के चलते राजेश रोशन का जन्म एक गैराज में हुआ था. उस दौर में परिवार को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था और इसी के चलते लोग राजेश को 'मनहूस' तक कहने लगे थे.

दिव्या भारती ने होटल में किया ऐसा काम पहलाज रह गए दंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिव्या भारती की 19 साल की उम्र में हुई मौत ने उनके फैन्स को हैरान कर दिया था. आज भी उनकी असामयिक मृत्यु को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जाती हैं. दिव्या के साथ शोला और शबनम में काम कर चुके फिल्म प्रोड्यूसर पहलाज निहलानी ने दिव्या और उनकी मृत्यु के दिन के बारे में खुलकर बात की. निहलानी ने याद किया कि दिव्या की मृत्यु के बाद अस्पताल पहुंचने वाले पहले लोगों में वह भी शामिल थे और उन्होंने उस दिल दहला देने वाले पल के बारे में भी बताया.दिव्या भारती की मृत्यु 5 अप्रैल, 1993 की शाम को उनके पांचवीं मंजिल के अपार्टमेंट की खिड़की से गिरने के बाद हुई थी. उस समय वह फिल्म निर्माता साजिद नाडियाडवाला की पत्नी थीं. उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां

उन्हें मृत घोषित कर दिया गया. उनकी मृत्यु को एक दुर्घटना करार दिया गया. अस्पताल के सीन्स के बारे में बात करते हुए, निहलानी ने एक मीडिया हाउस को बताया, "वह बिल्कुल अकेली थीं, उस समय तक वहां कोई नहीं था.उन्होंने कहा कि उस समय तक किसी को नहीं पता था कि क्या हुआ था और उनका परिवार अभी तक वहां नहीं पहुंचा था. तब तक, कोई नहीं आया था. जैसे ही मुझे पता चला, मैं तुरंत अस्पताल भागा. पहलाज निहलानी ने दिव्या की काम को लेकर तारीफ करते हुए कहा कि शूटिंग के दौरान उनके पैर में एक कील चुभ गई और अगले दिन की शूटिंग रद्द कर दी गई. वह घायल हो गईं, फिर भी काम करती रहीं. निहलानी ने कहा, "वह काम करती रहीं, उनके पैर में एक कील चुभ गई थी. रात के 3 बजे थे और सुबह 6 बजे तक वह एक गाने की शूटिंग के लिए तैयार थीं. मैंने उन्हें बताया कि शूटिंग रद्द कर दी गई है.जब निहलानी ने उन्हें कुछ समय की छुट्टी देने पर ज़ोर दिया, तो उन्होंने खुद ही मामले को अपने हाथ में लेने का फैसला किया. प्रोड्यूसर ने बताया "सुबह की शूटिंग रद्द होने के कारण मैं सो रहा था.

सैयामी खेर बनी प्रियदर्शन की 'हैवान' की नई स्टार

सैयामी खेर अब आधिकारिक तौर पर प्रियदर्शन की बहुप्रतीक्षित फिल्म हैवान की शानदार स्टारकास्ट का हिस्सा बन गई हैं। इस फिल्म में बॉलीवुड के दमदार सितारे अक्षय कुमार और सैफ अली खान नज़र आएंगे। फिल्म की शूटिंग कोच्चि में शुरू हो चुकी है और इसे लेकर पहले से ही दर्शकों में उत्सुकता है।हैवान सैयामी के लिए खास इसलिए है क्योंकि यह उनका पहला मौका है जब वे अक्षय, सैफ और प्रियदर्शन जैसे दिग्गजों के साथ काम कर रही हैं। साथ ही, अक्षय कुमार और सैफ अली खान भी 17 साल बाद तशन के बाद इस फिल्म में साथ दिखेंगे। अपनी खुशी जाहिर करते हुए सैयामी खेर ने कहा, हैवान के सेट पर कदम रखना मेरे लिए बेहद भावुक और खूबसूरत पल था। मुझे अब भी याद है जब मैं छोटी थी और थिएटर में बैठकर अक्षय सर को एक्शन में नए अंदाज़ में देखते हुए दंग रह जाती थी या फिर सैफ सर की कॉमेडी पर हंसते-हंसते लोटपोट हो जाती थी। तब मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन उन्हीं लोगों के साथ मैं एक ही सेट पर खड़ी रहूंगी, जिनकी फिल्में देखकर ही मैंने सिनेमा से प्यार करना सीखा था। उन्होंने आगे कहा, आज जब मैं शूट पर चारों तरफ देखती हूं तो खुद को याद दिलाना पड़ता है कि यह हकीकत है। वही चेहरे, जिन्हें मैं कभी दर्शक बनकर पर्दे पर देखती थी, आज उनके साथ फ्रेम शेयर कर रही हूं। और फिर प्रियदर्शन सर हैं, मेरे लिए वे सिर्फ निर्देशक नहीं हैं, बल्कि एक ऐसे कहानीकार हैं जिन्होंने हमें सिनेमा की कई यादगार फिल्में दी हैं। उनकी फिल्मों की वजह से ही मुझे फिल्मों से इतना लगाव हुआ और आज उनके निर्देशन में काम करना मेरे लिए जैसे सपना सच होने जैसा है।

राष्ट्रबाण विदर्भ VISION

।। धर्मो रक्षति रक्षितः।।

तापमान. नागपुर, अधिकतम 30.0°C न्यूनतम 25.2°C

नागपुर, गुरुवार, 29 अगस्त 2025

अघाड़ी उम्मीदवार जयश्री शेलके ने बॉम्बे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया

बुलढाणा में दोबारा मतगणना की मांग

राष्ट्रबाण

बुलढाणा. शिवसेना ठाकरे गुट की पराजित उम्मीदवार जयश्री शेलके ने बुलढाणा विधानसभा क्षेत्र के चुनाव परिणामों को लेकर बॉम्बे उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ का दरवाजा खटखटाया है. जयश्री शेलके ने चुनाव याचिका दायर कर इस निर्वाचन क्षेत्र में मतगणना पर आपत्ति जताई है और पुनर्मतगणना की माँग की है. शिंदे गुट के विधायक संजय गायकवाड़ ने इस याचिका को खारिज करने के लिए न्यायालय में आवेदन दायर किया है. हालाँकि, शेलके ने गायकवाड़ के आवेदन को निराधार बताते हुए अनुरोध किया है कि उनकी याचिका पर गुण-दोष के आधार पर निर्णय लिया जाए. पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में, शिवसेना शिंदे गुट के उम्मीदवार संजय गायकवाड़ बुलढाणा निर्वाचन क्षेत्र से मात्र 841 मतों से निर्वाचित हुए थे. केवल 800 मतों के अंतर के कारण, ठाकरे गुट की पराजित उम्मीदवार जयश्री शेलके ने मतगणना पर आपत्ति जताई है और दावा किया है कि मतगणना प्रक्रिया में कई अनियमितताएँ थीं.

बुलढाणा विधानसभा क्षेत्र से शिवसेना शिंदे गुट के उम्मीदवार संजय गायकवाड़ को 91 हज़ार 660 वोट मिले. जबकि ठाकरे गुट की जयश्री शेल्के को 90 हज़ार 819 वोट मिले. संजय गायकवाड़ सिर्फ़ 841 वोटों से जीते थे.

इस बीच, कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी कुछ दिन पहले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बड़े पैमाने पर मतदान में धांधली का आरोप लगाया है. इसके बाद जयश्री शेल्के ने अदालत में एक याचिका दायर की है और यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि अदालत क्या फैसला सुनाती है.

शेल्के की याचिका के खिलाफ गायकवाड़ का आवेदन

जयश्री शेल्के द्वारा संजय गायकवाड़ की जीत को चुनौती देने वाली चुनाव याचिका दायर करने के बाद, संजय गायकवाड़ ने सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश 7, नियम 11 के तहत एक आवेदन दायर किया है और अदालत से इस याचिका को खारिज करने का अनुरोध किया है. हालाँकि, शेल्के ने अपने जवाब में कहा कि संजय गायकवाड़ का आवेदन निराधार और आधारहीन है. इसलिए, उन्होंने अदालत से चुनाव याचिका पर गुण-दोष के आधार पर निर्णय लेने का अनुरोध किया है.

जयश्री शेलके ने याचिका में क्या कहा?

जयश्री शेलके के अनुसार, मतदाता सूची में 3,561 फर्जी नाम थे. कई मतदाताओं के नाम दो या दो से अधिक स्थानों पर थे और कुछ स्थानों पर तो मृत व्यक्तियों के नाम पर भी वोट डाले गए थे. इसलिए, उनकी मांग है कि सभी ईवीएम को अदालत में लाया जाए और अदालत के समक्ष पुनर्गणना की जाए. इसके अलावा, शेल्के ने एक अलग मांग यह भी की है कि निर्वाचन क्षेत्र की पूरी मतदाता सूची, मतदान केंद्रों के सीसीटीवी फुटेज, गायकवाड़ का विजय प्रमाण पत्र और अन्य संबंधित दस्तावेज अदालत में जमा करने का आदेश दिया जाए. इस मामले में उनकी ओर से वकील आकाश मून ने पैरवी की.

ट्रक ने कार को कुचला

06 लोगों की हुई मौत

3 गंभीर रूप से घायल

राजुरा-गढ़चंदूर मार्ग पर भीषण हादसा

राष्ट्रबाण

चंद्रपुर. राजुरा-गढ़चांदूर मार्ग पर कपनगांव के पास राजुरा से पचगांव जा रहे एक ऑटोरिक्शा को विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रक ने टक्कर मार दी. इस घटना में 6 यात्रियों की मौत हो गई और तीन गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें चंद्रपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जबकि एक का राजुरा उपजिला अस्पताल में इलाज चल रहा है. यह दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना गुरुवार शाम 4.15 बजे हुई. मृतकों में ऑटो चालक प्रकाश मेश्राम, यात्री रवींद्र बोबड़े, शंकर पिपरे और वर्षा बंडू मंडले, तनु सुभाष पिंपलकर, ताराबाई पप्पुलवार शामिल हैं जबकि 4 अन्य यात्री घायल हैं.

इस दुर्घटना में 6 यात्रियों, पचगांव निवासी रविंद्र हरि बोबड़े (48), कोच्चि निवासी शंकर कारू पिपरे (50), खामोना निवासी वर्षा बंडू मांडले, (41), पचगांव निवासी तनु सुभाष पिंपलकर (18), पचगांव निवासी ताराबाई नानाजी पपुलवार (60) और पचगांव निवासी ऑटो चालक प्रकाश मेश्राम (50) की मौत हो गई. इसके अलावा पचगांव निवासी निर्मला रावजी झाडे (50) को चंद्रपुर जिला अस्पताल में रेफर किया गया है और भुरकुंडा निवासी भोजराज महादेव कोडापे (40) पति का राजुरा उपजिला अस्पताल में इलाज चल रहा है. राजुरा पुलिस ने दुर्घटना का संज्ञान लेते हुए तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया और हाईवा ट्रक के चालक के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है.

फास्ट ट्रैक

जरांगे पर OBC समाज आक्रामक

गडचिरोली. मराठा समाज को आरक्षण देने को लेकर मनोज जरंगे ने फिर एक बार आंदोलन शुरू कर दिया है. इस दौरान जारंगे आज मुंबई पहुंचने वाले हैं. वहीं जारंगे की मांग को लेकर ओबीसी समाज आक्रामक हो गया है. राज्य के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. इसी क्रम में गुरुवार को गडचिरोली शहर में ओबीसी समाज ने आंदोलन किया और जरंगे की मांग पर विरोध भी दर्ज कराया. इस आंदोलन को पूर्व सांसद अशोक नेते सहित सभी राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता और नेता मौजूद रहे. इस दौरान सभी ने जारंगे के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और सरकार से ओबीसी कोटे से मराठा समाज को आरक्षण नहीं देने की मांग की.

'छोटा मटका' बाघ को वनविभाग ने पकड़ा

चंद्रपुर. ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व के प्रसिद्ध बाघ 'छोटा मटका' (सीएम) को बुधवार को एक सफल बचाव अभियान के तहत खडसंगी वन क्षेत्र से पकड़ लिया गया. चूँकि बाघ गंभीर रूप से घायल अवस्था में था, इसलिए उसे आवश्यक चिकित्सा जाँच और आगे के उपचार के लिए तुरंत चंद्रपुर ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर ले जाया गया. बचाव अभियान के दौरान, यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष ध्यान रखा गया कि बाघ को कम से कम चोट लगे. वन विभाग ने बाघ की सुरक्षा के लिए हर संभव उपाय किए हैं और उसकी स्थिति पर लगातार नज़र रखी जा रही है.

सबसे बड़े अपर वर्धा बांध के तीन गेट खोले

48.25 घन मीटर प्रति सेकंड पानी का बहाव शुरू

राष्ट्रबाण

अमरावती. अमरावती संभाग के सबसे बड़े अपर वर्धा बांध के जलग्रहण क्षेत्र, मध्य प्रदेश की सीमा पर भारी वर्षा के कारण बांध का जलस्तर तेज़ी से बढ़ रहा है और गुरुवार दोपहर 1 बजे बांध के तीन गेट खोल दिए गए. इसके चलते वर्धा नदी के किनारे बसे ग्रामीणों और मछुआरों को अलर्ट जारी किया गया है. अपर वर्धा परियोजना के जलग्रहण क्षेत्र में हुई वर्षा और आवक की गणना के अनुसार, परियोजना के जलाशय का जलस्तर बढ़ रहा है. परियोजना की बांध संचालन सूची के अनुसार, नियोजित जलस्तर बनाए रखने के लिए बांध के तीनों घुमावदार गेट दस सेंटीमीटर तक खोले गए हैं. इसमें से 48.25 डी.एम.एस.पी.एस. पानी वर्धा नदी बेसिन में छोड़ा जा रहा है. नदी किनारे बसे ग्रामीणों और नदी बेसिन से आने-जाने वाले सभी लोगों को अपना ध्यान रखने के लिए अलर्ट जारी किया गया है. नागरिकों को नदी बेसिन पार नहीं करना चाहिए. कृषि उपकरण नदी बेसिन में नहीं रखने चाहिए. वर्धा नदी तल में जानवरों को नदी पार करने और मछली पकड़ने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए. जलाशय में पानी के प्रवाह को देखते हुए, जलाशय परि-संचरण योजना के अनुसार डिस्चार्ज को बढ़ाया या घटाया जा सकता है, इसलिए नदी तल के पास जाने से बचना चाहिए. सभी एजेंसियों को सभी आवश्यक सावधानियां बरतने के लिए कहा गया है.

अपर वर्धा बांध प्रशासन द्वारा 27 अगस्त को अमरावती, वर्धा, यवतमाल और चंद्रपुर के जिला कलेक्टरों को एक एडवाइजरी पत्र भेजा गया था. इसकी प्रतिलिपि मोर्शी, तिवसा, चांदूर रेलवे, धामणगांव रेलवे, बाभुलगांव, देवली के समूह विकास अधिकारियों और पुलिस प्रशासन को भी भेजी गई. मोर्शी से आठ किलोमीटर दूर अपर वर्धा बांध के जलग्रहण क्षेत्र में भारी वर्षा और जलालखेड़ा से बहने वाली वर्धा नदी में आई भीषण बाढ़ के कारण अपर वर्धा बांध का जल संग्रहण काफी बढ़ रहा है. चूँकि वर्धा नदी के नीचे के क्षेत्र की नदियों और नहरों का जल-प्रवाह और बढ़ने की संभावना है, क्योंकि जल स्तर अभी भी नदी तल पर है.

नए पुल के निर्माण में लगेंगे डेढ़ साल!

नागरिक ट्रैफिक से परेशान, खोडके दंपत्ति ने अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

राष्ट्रबाण

अमरावती. शहर की जीवनरेखा माने जाने वाले राजकमल-जयस्तंभ चौक मार्ग पर बना रेलवे फ्लाईओवर जर्जर स्थति में हो गया. इस कारण प्रशासन ने पुल को यातायात के लिए अंततः बंद कर दिया. हालाँकि, फ्लाईओवर के बाद शहर में ट्रैफिक जाम लगने लगा है. शहरी क्षेत्र की हर सड़क जाम हो रही है और नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. शहर में लगने वाले जाम और नागरिकों को होने वाले परेशानी को देखते हुए विधायक संजय खोडके और विधायक सुलभा खोडके ने बुधवार को डिप्टी कलेक्टर अनिल भटकर, नगर आयुक्त सौम्या शर्मा और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ फ्लाईओवर का निरीक्षण किया. साथ ही, नागरिकों के गुस्से को शांत करने के लिए वैकल्पिक मार्गों का भी निरीक्षण किया गया. नए ब्रिज के निर्माण में कम से कम डेढ़ से दो साल लगेंगे. जिसको देखते हुए विधायक खोडके ने ज़िला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम और लोक निर्माण विभाग तब तक यातायात की भीड़ कम करने के लिए अस्थायी उपाय करने का आदेश दिया.

कोपर्शी मुठभेड़ में ढ़ेर नक्सलियों पर था 14 लाख रुपयों का इनाम

एक पीपीसीएम व अन्य तीन सदस्यों का समावेश

राष्ट्रबाण

गड़चिरोली. महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा पर स्थित भामरागढ़ तहसील के कोपर्शी जंगल परिसर में बुधवार 27 अगस्त की प्रातः लगातार 8 घंटों तक हुई गोलिबारी में मारे गये चारों नक्सलियों पर महाराष्ट्र सरकार ने कुल 14 लाख रूपयों का इनाम घोषित किया था. मारे गये नक्सलियों में एक पीपीसीएम (प्लाटून पार्टी कमेटी मेंबर) समेत तीन महिला नक्सल सदस्यों का समावेश होकर यह सभी नक्सली कोपर्शी जंगल परिसर में किसी बड़ी योजना को अंजाम देने के फिराक में थे. ढ़ेर हुए नक्सलियों में कंपनी क्रमांक 10 में पदस्थ पीपीसीएम छग राज्य के कांकेर जिले के बुर्गी गांव निवासी 6 लाख रूपये इनामी मालु पदा (41) समेत कंपनी क्रमांक 10 की कंपनी सदस्य 4 लाख इनामी धानोरा तहसील के बोधिनटोला निवासी क्रांति उर्फ जमुना रैनु हलामी (32), अहेरी दलम की दलम सदस्य 2 लाख रूपये इनामी छग राज्य के बस्तर एरिया निवासी ज्योति कुंजाम (27) अ‌ौर गट्टा दलम की सदस्या 2 लाख रूपये इनामी छग राज्य के बस्तर एरिया निवासी मंगी मडकाम (22) का समावेश है.

चंद्रपुर ज़िले में खुलेंगे चार नए अस्पताल

केंद्रीय श्रम मंत्रालय का 100 बिस्तरों वाला अस्पताल भी शामिल

राष्ट्रबाण

चंद्रपुर. चंद्रपुर महाराष्ट्र का एक महत्वपूर्ण औद्योगिक ज़िला है, फिर भी यहाँ पहले पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध नहीं थीं. कई वर्षों की माँग के बाद, यहाँ एक सरकारी मेडिकल कॉलेज की स्थापना हुई, जिससे ज़िले में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा की स्थिति में सुधार हुआ. अब चंद्रपुर में चार नए अस्पताल शुरू होने जा रहे हैं. इनमें एक आयुष अस्पताल, एक नर्सिंग अस्पताल, एक दंत चिकित्सालय और केंद्रीय श्रम मंत्रालय का एक 100 बिस्तरों वाला अस्पताल शामिल है. इन अस्पतालों के खुलने से ज़िले के नागरिकों को स्थानीय स्तर पर उच्च-गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध होंगी और मरीज़ों की बड़ी संख्या में आवाजाही कम होगी.

पूर्व मंत्री और विधायक सुधीर मुनगंटीवार पिछले कुछ वर्षों से लगातार इस दिशा में प्रयास कर रहे थे. उनके निरंतर प्रयासों का फल अब मिला है, क्योंकि संबंधित मंत्रालय ने इन अस्पतालों की स्थापना को हरी झंडी दे दी है. मुनगंटीवार ने कहा है कि यह सफल कदम स्थानीय लोगों के लिए महत्वपूर्ण होगा. विशेष रूप से आयुष, नर्सिंग और दंत चिकित्सा अस्पतालों से चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा. साथ ही, केंद्रीय श्रम मंत्रालय का 100 बिस्तरों वाला अस्पताल औद्योगिक श्रमिकों को उच्च-गुणवत्ता वाली सुविधाएँ प्रदान करेगा, जिससे चंद्रपुर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा. इन अस्पतालों के खुलने से स्थानीय नागरिकों, छात्रों, औद्योगिक श्रमिकों और स्वास्थ्य सेवा ज़रूरतों को काफ़ी लाभ होगा. स्थानीय प्रशासन ने भी इस पर ध्यान दिया है और जल्द ही इन अस्पतालों की स्थापना शुरू हो जाएगी.

उत्सव लाखों ग्रामीणों की एकता

बुलढाणा के 307 गांवों में एक गणेश

राष्ट्रबाण

बुलढाणा. जिले के कोने-कोने में श्रद्धा और उत्साह के साथ गणेश मंदिरों की स्थापना की गई है. 307 गांवों में लागू की गई 'एक गांव, एक गणपति' की अनुकरणीय पहल इस वर्ष के गणेश उत्सव का मुख्य आकर्षण बन गई है. इस अवसर पर लाखों ग्रामीण नागरिकों ने अपनी मजबूत एकता का परिचय दिया है. कथित प्रतिद्वंद्विता और प्रतिस्पर्धा के कारण, गांवों में 2 या 3 गणेश मंडल, जनसंख्या के आधार पर, सार्वजनिक गणेश मंदिर स्थापित करते हैं. इससे चंदे से लेकर प्रदर्शन, कार्यक्रम और विसर्जन जुलूस तक विवाद पैदा होते हैं. कभी-कभी यह लड़ाई-झगड़े का रूप ले लेता है. कई बार यह विवाद पुलिस थाने तक पहुँच जाता है. इससे गाँव का सामाजिक माहौल बिगड़ता है. झगड़े होते हैं और दंगे होते हैं. इसका दबाव पुलिसकर्मियों और पुलिस थानों की अपर्याप्त संख्या पर पड़ता है. इसे ध्यान में रखते हुए, 'एक गांव, एक गणपति' की पहल मुख्य रूप से पुलिस विभाग द्वारा लागू की जा रही है.

एकता की परंपरा को कायम रखते हुए पिछले कई वर्षों से बुलढाणा जिले में इस पहल को उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है. इस वर्ष और गणेश उत्सव भी इसका अपवाद नहीं है. इस वर्ष, 307 गाँवों में एक ही गणपति की स्थापना की गई है. लाखों ग्रामीणों द्वारा अपने मतभेद भुलाकर गाँव की एकता बनाए रखने के कारण यह उत्सव बिना किसी विवाद के मनाया जाता है. कई गाँवों में पुलिस बल की आवश्यकता नहीं पड़ती.

जिले में कड़ी सुरक्षा

- हालाँकि, 307 गाँवों को छोड़कर, जिले में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है. इसकी योजना पुलिस अधीक्षक नीलेश तांबे, बुलढाणा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोल गायकवाड़ और खामगाँव के श्रेणिक लोढ़ा के मार्गदर्शन में बनाई गई है.
- 27 अगस्त को श्री गणेश चतुर्थी से 8 सितंबर को श्री गणेश विसर्जन तक जिले में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा न हो, इसके लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं. इसमें 200 पुलिस अधिकारी, 2500 पुलिसकर्मी, 1300 होमगार्ड के जवान, राज्य रिजर्व पुलिस बल की 4 प्लाटून, 7 दंगा नियंत्रण दल और 1 त्वरित कार्रवाई दल तैनात किए गए हैं.
- गणेश उत्सव को सुचारू रूप से मनाने और शांति-व्यवस्था बरकरार रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 126, 127 और 129 के तहत कुल 1069 लोगों के खिलाफ निरोधक कार्रवाई की गई. भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 162(2) के तहत 1435 लोगों के विरुद्ध निर्वासन की कार्रवाई की जा रही है.

...तो 112 पर संपर्क करें

इस बीच, पुलिस अधीक्षक नीलेश तांबे ने नागरिकों को विभिन्न निर्देश जारी किए हैं. गणेश उत्सव के दौरान विभिन्न मंडलों के दर्शन करते समय, भीड़भाड़ के दौरान बच्चों, कीमती सामान और मोबाइल फोन को व्यवस्थित रखें. गणेश मंडलों का भ्रमण करते समय, ध्यान रखें कि आपका वाहन यातायात में बाधा न डाले. पुलिस द्वारा व्यवस्थाओं के संबंध में दिए गए निर्देशों का पालन करें. मंडल के सामने या जुलूस के दौरान लेज़र लाइट का प्रयोग न करें. केमिकल मिश्रित गुलाब की पंखुड़ियों के बजाय फूलों का प्रयोग करें. यदि इस स्थान पर कोई संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति दिखाई दे, तो इसकी सूचना पुलिस विभाग के टोल-फ्री नंबर 112 पर दें, यह भी उन्होंने अपील की है.

इरई बांध के सात दरवाजे 0.50 मीटर खोलने पड़े

नागरिकों को सतर्कता का इशारा

नदियों और नालों में जलस्तर बढ़ने की संभावना

राष्ट्रबाण

चंद्रपुर. पिछले तीन दिनों से चंद्रपुर जिले में लगातार बारिश हो रही है. इस भारी वर्षा के कारण जिलेभर की नदियों, नालों और बांधों में जलस्तर में बड़ी वृद्धि दर्ज की गई है. विशेष रूप से चंद्रपुर शहर से सटे इरई बांध के जलस्तर में तेज़ी से बढ़ोतरी होने पर, सुरक्षित स्तर से अधिक पानी भर जाने के चलते प्रशासन ने कदम उठाते हुए इरई बांध के सातों दरवाजे 0.50 मीटर तक खोलने का निर्णय लिया है. दरवाजे खोले जाने से बड़ी मात्रा में पानी नदियों और नालों में छोड़ा जा रहा है, जिसके कारण आसपास के क्षेत्रों में पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है. प्रशासन ने नदी और नालों के किनारे रहने वाले नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है. विशेषकर गांवों, बस्तियों तथा नदी किनारे की खेती योग्य जमीनें पानी में डूबने की संभावना जताई गई है. जिला प्रशासन, महानगरपालिका राजस्व विभाग तथा आपदा प्रबंधन दल अलर्ट मोड पर हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है. दरवाजे खोले जाने के संबंध में स्थानीय नागरिकों को समय-समय पर जानकारी दी जा रही है. प्रशासन ने अपील की है कि नागरिक नदी किनारे जाने से बचें और प्रशासनिक निर्देशों का पालन करें.

राष्ट्रबाण
नागपुर VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः।।

तापमान. नागपुर, अधिकतम 30.0°C न्यूनतम 25.2°C

नागपुर, शुक्रवार, 29 अगस्त 2025

बावनकुले ने जारंगे पाटिल पर बोला हमला

फडणवीस ब्राह्मण हैं इसलिए निशाना बनाया जा रहा ?

कांग्रेस से स्थिति स्पष्ट करने की मांग

राष्ट्रबाण

नागपुर. राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने मराठा आरक्षण मुद्दे पर कांग्रेस और जरांगे पाटिल पर करारा पलटवार किया. उन्होंने सवाल उठाया कि जब शरद पवार समेत कई मराठा मुख्यमंत्री रहे, तब आरक्षण क्यों नहीं मिला, जबकि यह ऐतिहासिक कदम देवेंद्र फडणवीस सरकार ने उठाया था. बावनकुले ने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल फडणवीस और उनके परिवार को निशाना बना रही है तथा उनकी जाति को लेकर निचले स्तर की बयानबाजी कर रही है. उन्होंने पूछा, क्या सिर्फ इसलिए हमला किया जा रहा है क्योंकि फडणवीस मराठा या ओबीसी नहीं, बल्कि ब्राह्मण हैं? साथ ही उन्होंने कांग्रेस से यह स्पष्ट करने की मांग की कि क्या वह ओबीसी कोटे से मराठा समाज को आरक्षण देने के पक्ष में है या नहीं.

गुरुवार को कोराडी स्थिति निज निवास पर पत्रकारों से बात करते हुए बावनकुले ने कहा, मराठा समुदाय को आरक्षण मिलना चाहिए. हमारा मानना है कि मराठा समुदाय को अलग से आरक्षण मिलना चाहिए, हमारे मुख्यमंत्री भी इसी स्थिति के हैं. 50 साल तक शरद पवार और कांग्रेस के मराठा नेता मुख्यमंत्री पद पर रहे, लेकिन उन्होंने मराठा समुदाय के लिए कभी कोई फैसला नहीं लिया. देवेंद्र फडणवीस के सत्ता में आने के बाद, उन्होंने मराठा समुदाय के लिए आरक्षण का फैसला लिया. इसके बाद, उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में इस आरक्षण को बरकरार रखा गया, यह सब फडणवीस सरकार के दौरान हुआ.

चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि, ₹इसके बाद एकनाथ शिंदे ने इसके लिए पहल की और अब देवेंद्र फडणवीस फिर से पहल कर रहे हैं. भले ही उन्होंने मराठा आरक्षण के लिए पहल की और विभिन्न माध्यमों से मांगों को स्वीकार किया, फिर भी अन्य नेताओं को छोड़कर केवल देवेंद्र फडणवीस को ही निशाना बनाया जा रहा है. क्या यह गलत है कि देवेंद्र फडणवीस मराठा नहीं हैं? क्या यह वास्तविक गलती है? यह सही नहीं है कि उन्हें निशाना बनाया जा रहा है. आप माँगें करते हैं, लेकिन मराठा समुदाय के ज़रिए किसी नेता को निशाना बनाना उचित नहीं है.

पिछड़े वर्ग का आरक्षण हटाने में कांग्रेस की भूमिका?

बावनकुले ने आगे कहा कि, हम इस दृष्टिकोण से काम करते रहे हैं कि मराठा समुदाय को आरक्षण मिलना चाहिए. लेकिन हमें स्पष्ट करना चाहिए कि कांग्रेस पार्टी की वास्तविक राय क्या है. मनोज जरांगे पाटिल के आंदोलन का समर्थन करने पर कोई असहमति नहीं है, लेकिन कांग्रेस पार्टी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या पिछड़े वर्ग के समुदायों के लिए आरक्षण हटाकर मराठा समुदाय को आरक्षण देना उसका अपना फ़ैसला है? या उसे मराठा समुदाय को अलग से आरक्षण देने पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए.

आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस का दोहरा रवैया

- चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि, क्या हमें पिछड़ी 353 जातियों और 18 पगार जातियों के ओबीसी समुदाय का आरक्षण हटाकर दूसरे समुदायों को दे देना चाहिए? इस संवैधानिक प्रश्न पर कांग्रेस की क्या राय है? अगर उन्होंने थोड़ा भी खुला समर्थन दिया है, तो यह ओबीसी के ख़िलाफ़ है. राहुल गांधी एक तरफ ओबीसी के समर्थन में बोल रहे हैं, जाति जनगणना की मांग कर रहे हैं और दूसरी तरफ ऐसी नौटंकी करके अपनी स्थिति स्पष्ट करने की ज़रूरत है.
- चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि सरकार को मनोज जरांगे से मिलना चाहिए. हमें आंदोलनकारियों की राय समझनी चाहिए, लेकिन कोई भी फैसला लेते समय सरकार को एक समुदाय का आरक्षण हटाकर दूसरे समुदाय को देने का सही फैसला लेना चाहिए. कांग्रेस की स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए. किसी भी समुदाय का आरक्षण कम नहीं होना चाहिए. मराठा समुदाय को आरक्षण मिलना चाहिए.

बिजली गिरने से 3 की मौत

पालकमंत्री बावनकुले ने परिजनों से की मुलाकात

हर संभव मदद का दिया भरोसा

राष्ट्रबाण

नागपुर. जिले के कलमेश्वर तहसील के धापेवाड़ा बु. में बिजली गिरने से मां-बेटे सहित तीन लोगों की मौत हो गई थी. गुरुवार को जिले के पालकमंत्री एवं राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले धापेवाड़ा बु. गांव पहुंचे और मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी. पालकमंत्री बावनकुले ने आश्वासन दिया कि सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत पीड़ित परिवारों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाएगी. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सहायता की पूरी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जल्द ही प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद दी जाएगी. इस दौरान सावनेर विधायक आशीष देशमुख, जिला कलेक्टर विपिन इटनकर सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे.

ज्ञात हो कि, बुधवार को कलमेश्वर तहसील के धापेवाड़ा बु. में दोपहर को बड़ा हादसा हो गया. जहां खेत में काम कर रहे लोगों पर बिजली गिर पड़ी. बिजली के चपेट में आने से वंदना प्रकाश पाटिल (उम्र 40), ओम प्रकाश पाटिल (उम्र 18) और मजदूर निर्मला रामचंद्र पराते की मौके पर ही मौत हो गई. घटना की जानकारी मिलते ही परिसर में हड़कंप मच गया. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कर शवों को ग्रामीणों की मदद से अस्पताल भिजवाया.

गुरुवार को पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, विधायक आशीष देशमुख पीड़ित परिवारों से मिलने धापेवाड़ा बु. गांव पहुंचे. जहां मृतक के परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी. इस दौरान पालकमंत्री ने पीड़ित परिवारों को हर सरकारी सहायता देने की बात कही. इसी के साथ पालकमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि सहायता की पूरी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जल्द ही प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद दी जाएगी.

आरक्षण से कोई समझौता नहीं करने का ऐलान करते ओबीसी महासंघ ने पकड़ी आंदोलन की राह

राज्य में फिर शुरू हुआ ओबीसी वर्सेज मराठा!

राष्ट्रबाण

नागपुर. आरक्षण को लेकर मनोज जारंगे पाटिल के दोबारा आंदोलन शुरू होने के बाद ओबीसी वर्ग की प्रतिक्रिया सामने आने लगी है. गुरुवार को नागपुर में ओबीसी महासंघ की बैठक हुई, जिसमें संघ ने ओबीसी समाज को दिए आरक्षण से छेड़छाड़ करने पर तीव्र आंदोलन की चेतावनी दी. मनोज जरांगे पाटिल के दोबारा आंदोलन शुरू करने के बाद राज्य में एक बार फिर ओबीसी वर्सेज मराठा हो गया है. राज्य के ओबीसी संगठन लगातार जरांगे की मांग का विरोध कर रहे हैं. इसी बीच गुरुवार को ओबीसी महासंघ ने नागपुर में बैठक की. संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बबनराव तायवाड़े के आवास पर यह बैठक हुई. जिसमें जारंगे की मांग सहित ओबीसी वर्ग को मिले आरक्षण को लेकर विस्तार से चर्चा हुई. इस दौरान तायवाड़े ने आरक्षण के मुद्दे पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने की बात दोहराई. तायवाड़े ने कहा कि, आज ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों बैठकें आयोजित करके आगामी आंदोलन की रूपरेखा तय की गई. कल से, पदाधिकारी जागरूकता पैदा करने के लिए ज़िलेवार प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे. परसों नागपुर के संविधान चौक पर क्रमिक भूख हड़ताल शुरू की जाएगी. उसके बाद, सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए विभिन्न ज़िलों में प्रदर्शन और धरने आयोजित किए जाएँगे. तायवाड़े ने कहा, सरकार ने अब तक ओबीसी आरक्षण पर कड़ा रुख अपनाया है. हम मुख्यमंत्री को 10 प्रतिशत आरक्षण पर अपना रुख अपनाने के लिए बधाई देते हैं. लेकिन हम इस पर नज़र रख रहे हैं कि क्या प्रदर्शनकारियों की दबाव की रणनीति के आगे सरकार झुकेगी.

बिजली गिरने से युवक की मौत

जिले के मौदा तहसील की घटना

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुर जिले के मौदा तहसील में बुधवार शाम को दर्दनाक हादसा हो गया. जहां राष्ट्रीय राजमार्ग से जा रहे युवक पर बिजली गिर गई, इस कारण मौके पर ही युवक की मौत हो गई. मुतक की पहचान 27 वर्षीय सागर पंढरीची जुमाले के रूप में हुई है. घटना से मृतक के परिजन सदमे में हैं. मिली जानकारी के अनुसार, सागर बुधवार को अपना काम कर नागपुर से अपने गांव धामणगांव की तरफ जा रहे थे. जैसे ही वह नागपुर-भंडारा रोड पर महलागांव-कढोली के पास पहुंचे तभी अचानक बिजली गिरी, जिसके चपेट में सागर आ गए. इस दुर्घटना में सागर की मौके पर ही मौत हो गई. इससे धामणगांव में मातम छा गया है और जुमाले परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. सागर अविवाहित थे और एनटीपीसी में संविदाकर्मी के रूप में कार्यरत थे. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए मौदा अस्पताल भेज दिया.

फास्ट ट्रैक

खापरखेड़ा में 2 पिस्तौलें जब्त

नागपुर. पुलिस ने एक ही दिन अलग-अलग कार्रवाई में खापरखेड़ा इलाके से 2 लोगों से पिस्तौल और कारतूस जब्त किए. यह कार्रवाई नेवया पुलिस कमिश्नरेट के अधिकार क्षेत्र में आती है. क्राइम ब्रांच की टीम 5 ने मंगलवार रात करीब 12 बजे यह कार्रवाई की. टीम को सूचना मिली कि कामठी खापरखेड़ा रोड पर एक व्यक्ति पिस्तौल लेकर घूम रहा है. टीम ने वहाँ जाकर जंगुर सिंह उर्फ विक्की सरनागटे (27, महाजननगर, पारशिवनी) को गिरफ्तार कर लिया. उसकी तलाशी लेने पर उसके कमरबंद से एक पिस्तौल और 2 जिंदा कारतूस मिले.

नगर निगम चुनाव में भी भाजपा विधायक

कृष्णा खोपड़े का दबदबा

राष्ट्रबाण

नागपुर. लगातार 4 बार विधानसभा चुनाव में बढ़ते मतों के अंतर से जीत हासिल करने वाले भाजपा विधायक कृष्णा खोपड़े का दबदबा नगर निगम चुनाव में भी बरकरार दिख रहा है. 2017 के चुनाव में भाजपा ने पूर्वी नागपुर की 29 में से 24 सीटें जीतकर यह साबित कर दिया था. इसलिए इस बार कांग्रेस और अन्य दलों को और ज़ोर लगाना होगा. पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में 10 वार्ड शामिल हैं. इनमें से कुछ उत्तर, मध्य और दक्षिण नागपुर विधानसभा क्षेत्रों का हिस्सा हैं. वार्ड क्रमांक 21, 23, 24, 25, 26 और 27 पूर्वी नागपुर के 100 प्रतिशत क्षेत्र को कवर करते हैं. अगर हम सिर्फ़ पूर्वी नागपुर विधानसभा क्षेत्र के क्षेत्रफल पर विचार करें, तो यहाँ 29 नगरसेवक हैं. जिनमें से 24 नगरसेवक भाजपा के हैं. वार्ड क्रमांक 4 में उत्तर और पूर्वी नागपुर विधानसभा क्षेत्रों का आधा-आधा हिस्सा आता है. इनमें से दो नगर-सेवक पूर्व और दो नगरसेवक उत्तर से हैं. पूर्वी नागपुर के दोनों नगर-सेवक भाजपा के हैं. वार्ड संख्या 5 में, केवल एक पार्षद पूर्वी नागपुर से है. वह भी भाजपा से है. वार्ड संख्या 21 में दो भाजपा, एक कांग्रेस और एक निर्दलीय पार्षद हैं. वार्ड संख्या 22 मुख्यतः मध्य नागपुर विधानसभा क्षेत्र से है. यहाँ केवल एक पार्षद पूर्वी नागपुर से आता है. यहाँ पार्षद भाजपा से है. वार्ड संख्या 23 में तीन भाजपा पार्षद हैं. एक पार्षद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) से है.

शिक्षक सत्कार समारोह की तैयारी

विचार मंथन के लिए मीटिंग का आयोजन

राष्ट्रबाण

नागपुर. हिंदी भाषीय ब्राह्मण विकास संघ, नागपुर द्वारा शिक्षक सत्कार समारोह के आयोजन की रूपरेखा तैयार करने के लिए 25 अगस्त रविवार शाम 5:00 बजे विजय तिवारी के निवास स्थान पर एक मीटिंग ली गई. मीटिंग के पूर्व कवि कुलगुरु संस्कृत विद्यापीठ रामटेक, नागपुर के उप कुलपति, प्रोफेसर हरे राम त्रिपाठी (महर्षि वादरायण, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित) मूलनिवासी कुशीनगर, उत्तर प्रदेश इनका स्व ग्राम के प्रवास के दौरान, सड़क दुर्घटना व उनके पत्नी का स्वर्गवास हो गया. कुलगुरु हरे राम त्रिपाठी को संघ के अधिकारी पदाधिकारी व बंधुओं ने सदस्यों ने शोक प्रकट करते हुए, श्रद्धांजलि अर्पित की. तत्पश्चात हिंदी भाषीय ब्राह्मण विकास संघ, नागपुर के अध्यक्ष डॉ बच्चू पांडे व सचिव विजय तिवारी के मार्गदर्शन में मीटिंग प्रारंभ कर, मीटिंग के दौरान शिक्षक सत्कार समारोह के आयोजन की रूपरेखा तय की गई. संघ के सभी सदस्यों ने इसका एक मत से समर्थन किया.

समारोह का आयोजन 4 सितंबर को

समारोह का आयोजन दिनांक 4 सितंबर 2025 दिन गुरुवार शाम 4:00 बजे, विदर्भ हिंदी साहित्य सम्मेलन, हिंदी मोर भवन, सीताबर्डी, नागपुर में आयोजित होना तय किया गया है. संघ के सभी अधिकारी व पदाधिकारी से विनम्र आग्रह है कि वे अपने परिचित ब्राह्मण समाज के शिक्षक, शिक्षिकाओं का सत्कार हेतु नाम प्रस्तावित करें, जिससे कि समाज में शिक्षकों के प्रति एक आदर भाव प्रस्थापित हो सकें. समाज के सभी सदस्यों से निवेदन है कि वे शिक्षक सत्कार समारोह में ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थित रहने की कृपा करें. मीटिंग में व्यास नारायण पांडे, वेद प्रकाश तिवारी, शत्रुघ्न तिवारी, सुभाष चंद्र उपाध्याय, सचिन शुक्ला, डॉ सौरभ शुक्ला, पदमा देव दुबे, एडवोकेट जगत बाजपेई, हेमंत कुमार पांडे, अखिलेश तिवारी, राजेश गौतम व अन्य सदस्य उपस्थित थे.

आकर्षण नागपुर और भंडारा के शो रूमो में मिल रहा है ग्राहकों का भारी प्रतिसाद

रोकड़े ज्वेलर्स के मंगलसूत्र-चेन महाकुंभ 31 तक

राष्ट्रबाण

नागपुर. 8 अगस्त से 31 अगस्त तक आयोजित मंगलसूत्र और चेन महाकुंभ सभी ग्राहकों के लिए एक यादगार उत्सव साबित हुआ. इस भव्य आयोजन में पहली बार 24 कैरेट गोल्ड मंगलसूत्र प्रदर्शित किए गए, जो महिलाओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बने. इसके साथ ही शानदार डायमंड मंगलसूत्र और बारीकी से तैयार 22 कैरेट एवं 18 कैरेट गोल्ड डिज़ाइन्स ने भी ग्राहकों को विशेष रूप से आकर्षित किया. चेन सेक्शन भी उतना ही उल्लेखनीय रहा, जहाँ हल्के डेली-वियर से लेकर बोल्ड स्टेटमेंट चेन तक का शानदार कलेक्शन प्रस्तुत किया गया. इस महाकुंभ में 3,500 से अधिक डिज़ाइन्स एक साथ प्रदर्शित किए गए, जो विदर्भवासियों के लिए अब तक का सबसे बड़ा संग्रह साबित हुआ.

डायमंड मंगलसूत्र और चेन पर मेकिंग चार्जेस में 100% की छूट ,गोल्ड मंगलसूत्र और चेन पर मेकिंग चार्जेस में 50% तक की छूट विशेष ऑफ़र ग्राहकों की विशेष पसंद बन गए. भारतीय परंपरा में मंगलसूत्र केवल आभूषण नहीं, बल्कि सौभाग्य का प्रतीक, वैवाहिक बंधन, प्रेम और आशीर्वाद का चिह्न है. यही गहरा भाव आधुनिक फैशन ट्रेंड्स से जोड़ते हुए इस महाकुंभ में प्रस्तुत किया गया. सुरुचिपूर्ण लंबे मंगलसूत्र, आकर्षक शॉर्ट मंगलसूत्र और ट्रेंडी डिज़ाइन्स हर स्टाइल के लिए यहाँ उपलब्ध रहे. महाकुंभ के दौरान ग्राहकों की भारी भीड़ देखने को मिली. सभी ने प्रस्तुत डिज़ाइन्स को बेहद पसंद किया और पूरे उत्साह से महाकुंभ का लाभ उठाया. प्रदर्शनी में प्रदर्शित सभी डिज़ाइन्स ग्राहकों की विशेष पसंद बन गए. हालाँकि यह आयोजन 31 अगस्त तक ही निर्धारित है , लेकिन नागपुर ,भंडारा और विदर्भवासी जिन्होंने अब तक इस महाकुंभ का लाभ नहीं उठाया है, वे अभी भी रोकड़े ज्वेलर्स के शोरूम्स में आकर अनगिनत मंगलसूत्र और चेन के डिज़ाइन्स देख और खरीद सकते हैं और विशेष ऑफ़र का लाभ प्राप्त कर सकते है.

इंस्टाग्राम दोस्त ने किया नाबालिग से दुष्कर्म

पाचपावली थाना परिसर की घटना

वारदात को अंजाम देने वाला आरोपी भी नाबालिग

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुर शहर के पांचपावली पुलिस थाना अंतर्गत दुष्कर्म का एक मामला सामने आया है, जहां एक नाबालिग लड़की से जबरन दुष्कर्म किया गया. इस घटना ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर दोस्ती के खतरों को उजागर किया है क्योंकि इन दोनों की पहचान करीब दो महीने पहले ही इंस्टाग्राम पर हुई थी. जानकारी के अनुसार, पीड़िता, 14 वर्ष की है और जरिपटका निवासी है. उसकी पहचान दो महीने पहले इंस्टाग्राम के माध्यम से आरोपी 16 वर्षीय युवक से हुई थी. दोनों के बीच दोस्ती हुई और वे बातचीत करने लगे. 23 अगस्त को जब पीड़िता अपनी नानी के घर पांचपावली में आई थी और उसकी नानी किसी काम से बाहर गई हुई थी, तभी आरोपी पीड़िता से मिलने उसके घर आया था. आरोपी ने घर में किसी के नहीं रहने का फायदा उठाते हुए पीड़िता के साथ साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए. हालांकि बाद में बच्ची के गुमसुम रहने के बाद उसकी मां ने जब बेटी से बात की, तो उसने यह पूरी घटना बताई. इसके बाद, पीड़िता की मां ने पांचपावली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई. शिकायत के आधार पर पुलिस में दुष्कर्म और पोस्को की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर नाबालिक आरोपी को हिरासत में लिया है और आगे की जांच कर रही है.

यूपी टी20 लीग में आदर्श सिंह का धमाका,जड़ा हाहाकारी शतक

नई दिल्ली. क्रिकेट का यही रोमांच है. आप जहां सोचते हैं कि इससे बढ़कर कुछ नहीं, वहीं अगले पल, अगले मैच में कुछ ऐसा हो जाता है, जिसके बारे में आप सोच भी नहीं होते. एक ऐसा ही धमाका यूपी टी20 लीग 2025 में उस बल्लेबाज के बल्ले से देखने को मिला है, जिसने आमने-सामने की टक्कर में वैभव सूर्यवंशी को मात दी है. उनसे खिताब छिना है. हम बात कर रहे हैं 20 साल के बल्लेबाज आदर्श सिंह की, जिन्होंने यूपी टी20 लीग में 26 अगस्त को खेले मुकाबले में हाहाकारी शतक ठोका है. आदर्श सिंह ने टुक-टुक बल्लेबाजी करते-करते मैच में अचानक से ऐसा गियर बदला कि देखने वालों की आंखें फटी की फटी रह गई. और, जो किसी से नहीं हारी थी, उस टीम को लीग के मौजूदा सीजन में पहली बार हार का मुंह देखना पड़ा.

डेथ ओवर्स में बदला आदर्श सिंह के बल्ले का मिजाज

यूपी टी20 लीग में 26 अगस्त को कानपुर सुपरस्टार्स और काशी रुद्रास के बीच सीजन का 19वां मैच खेला जा रहा था. इस मैच में कानपुर सुपरस्टार्स पहले बल्लेबाजी करने उतरी. बाएं हाथ के बल्लेबाज आदर्श सिंह भी इसी टीम का हिस्सा थे, जिनके कदम क्रीज पर ओपनिंग जोड़ी के टूटने के बाद पड़े. शुरू-शुरू में तो आदर्श सिंह की धीमी बल्लेबाजी देखकर कहीं से भी ऐसा नहीं लग रहा था कि वो कोई वैसा धमाका भी करेंगे, जो हमें बाद में देखने को मिला. 16 ओवर तक 35 गेंदों का सामना करने के बाद वो सिर्फ 38 रन ही बना सके थे, जिसमें 2 छक्के

शामिल थे. लेकिन, डेथ ओवर्स का खेल शुरू होते ही आदर्श सिंह के बल्ले का मिजाज पूरी तरह बदल गया. जिस आदर्श सिंह ने 35 गेंदों में सिर्फ 38 रन बनाए थे, उन्होंने डेथ ओवर्स में खेली अगली 19 गेंदों में 75 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने 15वीं गेंद पर छक्के के साथ अपना T20 शतक पूरा किया.

ये शतक उन्होंने काशी रुद्रास के स्टार गेंदबाज अटल बिहारी के नो बॉल पर लगाया था. पहली 35 गेंदों में सिर्फ 2 छक्के लगाने वाले आदर्श सिंह ने अगली 19 गेंदों में 10 छक्के लगाए. 20 साल के आदर्श सिंह ने काशी रुद्रास के खिलाफ कुल 54 गेंदों का सामना कर 209.26 की स्ट्राइक रेट से नाबाद 113 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने अपना शतक 51वीं गेंद पर पूरा किया. आदर्श सिंह ने अपनी हाहाकारी पारी में 12 छक्के लगाए, जिसमें से 10 छक्के उन्होंने सिर्फ डेथ ओवर्स में मारे.

किसी से नहीं हारने वाली टीम को पहली बार हारना पड़ा

आदर्श सिंह की विस्फोटक पारी की बदौलत कानपुर सुपरस्टार्स ने 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 198 रन बनाए. जवाब में 199 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी काशी रुद्रास की टीम का वो हश्र हुआ, जिसके बारे में उसने सोचा भी नहीं होगा. काशी रुद्रास की पूरी टीम 15 ओवर में सिर्फ 70 रन पर लुढ़क गई और 128 रन से मुकाबला हार गई. यूपी टी 20 लीग 2025 में ये काशी रुद्रास की पहले 7 मैचों में मिली पहली हार है. इससे पहले उसने 6 में से 6 मैच जीते थे और लीग की इकलौती ऐसी टीम थी, जो हारी नहीं थी.

आदर्श सिंह की टीम ने वैभव सूर्यवंशी की टीम से छीना था खिताब

वैसे यूपी टी 20 लीग 2025 में काशी रुद्रास की लगातार जीत के सिलसिले को तोड़ने वाले आदर्श सिंह, वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ भी जीत दर्ज कर चुके हैं. दो साल पहले यानी साल 2023 में 4 टीमों के बीच खेले एक टूर्नामेंट के फाइनल में उन्होंने वैभव सूर्यवंशी की टीम को हराया था. उस टूर्नामेंट में इंग्लैंड अंडर 19, बांग्लादेश अंडर 19 टीम के अलावा भारत की अंडर 19 ए और अंडर 19 बी टीम ने हिस्सा लिया था. आदर्श सिंह उस टूर्नामेंट में इंडिया अंडर 19 ए टीम का हिस्सा थे, जिसने फाइनल में वैभव सूर्यवंशी वाली इंडिया अंडर 19 बी टीम को हराकर खिताब पर कब्जा किया था.

आईसीसी वनडे रैंकिंग में बड़ा उलटफेर

नई दिल्ली. क्रिकेट की दुनिया में एक रोमांचक बदलाव देखने को मिला है. दरअसल, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने हाल ही में ताजा रैंकिंग जारी की है और वनडे फॉर्मेट में एक-साथ दो खिलाड़ी नंबर 1 गेंदबाज बन गए हैं, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया है. बता दें, ये बदलाव अच्छे प्रदर्शन नहीं बल्की खराब गेंदबाजी के चलते देखने को मिला है. साउथ अफ्रीका के अनुभवी स्पिनर केशव महाराज पिछले हफ्ते नंबर-1 गेंदबाज बने थे, वह अभी भी इस स्थान पर बरकरार हैं, लेकिन इस स्थान पर एक और खिलाड़ी की एंट्री हो गई है.

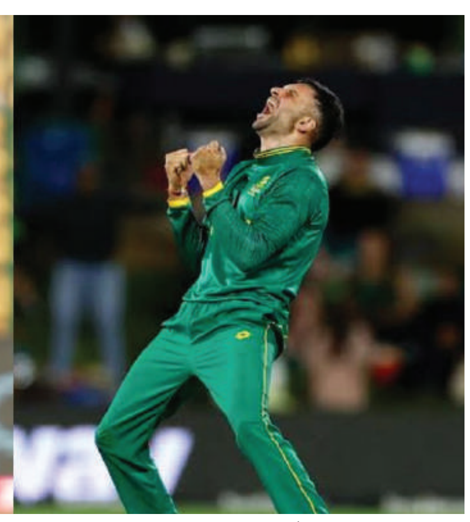

दुनिया को एक-साथ मिले दो नंबर-1 गेंदबाज

आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में केशव महाराज संयुक्त रूप से टॉप स्थान पर खिसक गए हैं और अब वह श्रीलंका के महेश थीक्षाना भी नंबर-1 गेंदबाज बन गए हैं. इसके पीछे की वजह केशव महाराज का खराब प्रदर्शन है. दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी मैच में केशव महाराज ने सिर्फ 1 विकेट ही हासिल किया था और 57 रन दिए थे. जिसके चलते उनके रेटिंग पॉइंट्स कम हो गए हैं. उनके रेटिंग पॉइंट्स 687 से कम होकर 671 हो गए हैं. दूसरी ओर तीक्ष्णा 671 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर मौजूद थे. लेकिन पॉइंट्स बराबर होने के चलते अब वो भी नंबर-1 बन गए हैं. इनके अलावा लुंगी एनगिडी ने रैंकिंग में छलांग लगाई है. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सात विकेट हासिल करने वाले लुंगी एनगिडी छह स्थान ऊपर चढ़कर 28वें स्थान पर पहुंच गए हैं. ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज नाथन एलिस को भी फायदा हुआ है. उन्होंने 21 स्थान की छलांग लगाई है. हालांकि, उनके साथी एडम जम्पा 10वें से 11वें स्थान पर खिसक गए हैं, जबकि वेस्टइंडीज के गुडाकेश मोती ने टॉप दस में अपनी जगह बना ली हैं.

बल्लेबाजी रैंकिंग में सबसे ज्यादा फायदा ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को हुआ है. ग्रीन ने तीसरे वनडे में साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से दूसरा सबसे तेज वनडे शतक जड़ा था, जिससे वह बल्लेबाजों की लिस्ट में 40 स्थान की छलांग लगाकर 78वें नंबर पर पहुंच गए हैं.

डॉन ब्रैडमैन का 3 ओवर में शतक, गेंदबाजों की उड़ी थीं धज्जियां

नई दिल्ली क्रिकेट में गेंदबाजों की अगर सबसे बेरहम पिटाई में से एक देखनी हो तो आप ऑस्ट्रेलियाई धुरंधर डॉन ब्रैडमैन की वो इनिंग कभी भी उठाकर देख सकते हैं. उस इनिंग में ब्रैडमैन की बल्लेबाजी के तीखेपन का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि उन्होंने मैच में अपना शतक सिर्फ 3 ओवर के अंदर ही पूरा कर लिया था. मगर कहानी वहीं खत्म नहीं होती. उसके बाद मैच में ब्रैडमैन के बेकाबू बल्ले का जोर आगे भी देखने को मिला. सिर्फ 3 ओवर में शतक जड़ने वाले ब्रैडमैन ने पूरे मैच में 256 रन ठोके थे. अब सवाल है कि हम अचानक से सर डॉन ब्रैडमैन और उनकी उस इनिंग का जिक्र क्यों कर रहे हैं. तो वो इसलिए क्योंकि 1908 में जन्में ब्रैडमैन के जन्मदिन की 27 अगस्त को 117वीं सालगिरह है.

14 छक्के, 29 चौके... ब्रैडमैन ने मैच में 256 रन अकेले कूटे

अब सवाल है कि सर डॉन ब्रैडमैन ने कब और किस टीम के खिलाफ 3 ओवर के अंदर अपना सैंकड़ा पूरा किया था?

तो ब्रैडमैन के बल्ले से वो धमाका साल 1931 में देखने को मिला था. मतलब तब जब टी 20 क्रिकेट का नामोनिशान भी नहीं था. और क्रिकेट में एक ओवर 8 गेंदों वाला हुआ करता था. ब्रैडमैन ने तभी दुनिया को दिखाया था कि ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कैसे करते हैं. ब्लैकहीथ इलेवन और लिथगो इलेवन के बीच खेले मुकाबले में ब्रैडमैन ने गेंदबाजों को बेदर्दी से पीटा था. वो उस मैच में ब्लैकहीथ टीम का हिस्सा थे, जिसने पहले बल्लेबाजी करते हुए 357 रन बनाए थे और उसमें 256 रन अकेले ब्रैडमैन के थे. ब्रैडमैन ने इस पारी के दौरान 14 छक्के और 29 चौके जमाए थे. अब जब 358 रन के लक्ष्य का पीछा करने लिथगो इलेवन की टीम उतरी तो वो बस 228 रन ही बना सके और 129 रन से मुकाबला हार गए थे.

3 ओवर में ऐसे जमाया शतक

ब्रैडमैन ने 3 ओवर के अंदर यानी सिर्फ 22 गेंदों पर अपना शतक पूरा कर लिया था . ये कमाल उन्होंने पहले ओवर में 33 रन, दूसरे ओवर में 40 रन और तीसरे ओवर में 27 रन बनाते हुए किया था. ब्रैडमैन ने पहले ओवर में 3 छक्के, 3 चौके के अलावा 1 बार 2 रन और एक सिंगल लिया था. इसके बाद दूसरे ओवर में 4 छक्के और 4 चौके जमाए थे. जबकि तीसरे ओवर में उन्होंने 3 छक्के और 2 चौके जमाने के अलावा एक सिंगल लिया था.

इंटर काशी बनी चैंपियन फिर भी ट्रॉफी और इनाम से वंचित

नई दिल्ली. जब भी कोई टीम किसी टूर्नामेंट को जीतती है तो उसे ट्रॉफी दी जाती है और साथ ही उन्हें प्राइज मनी भी मिलती है. हालांकि, एक टीम के साथ इसका पूरा उल्टा हो गया. वो चैंपियन बनी लेकिन उसे ना तो ट्रॉफी मिली और ना ही उन्हें प्राइज मनी दी गई. ये टीम है इंटर काशी जिसने आई लीग को अपने नाम किया. इंटर काशी को आई लीग का चैंपियन बने हुए एक महीने से ज्यादा का समय हो चुका है लेकिन इसके बावजूद फेडरेशन ने उन्हें ट्रॉफी और जीत का पैसा नहीं दिया है. एआईएफएफ ने खेल पंचाट के फैसले के बाद इस बात का ऐलान किया था कि इंटर काशी आई लीग चैंपियन है. खेल विवादों को सुलझाने वाली टॉप की इंटरनेशनल अदालत को खेल पंचाट कहते हैं. इंटर काशी को आई लीग का चैंपियन तो बना दिया गया लेकिन ना तो उन्हें ट्रॉफी मिली और ना ही उन्हें

प्राइज मनी दिया गया. प्राइज मनी कुल एक करोड़ रुपए की थी लेकिन अभी तक टीम को इसके दर्शन भी नहीं हुए हैं. टीम खुद इस बात से काफी परेशान है और उन्होंने एआईएफएफ से इसको लेकर अपील भी की है.सबसे हैरान कर देने वाली बात ये है कि टॉप इंटरनेशनल कोर्ट के फैसले से पहले एआईएफएफ ने गोवा के जिस चर्चिल ब्रदर्स क्लब को विनर बनाया था उसने अभी तक फेडरेशन को विजेता ट्रॉफी वापस नहीं दी है.

अश्विन का आईपीएल से संन्यास, सोशल मीडिया पर किया ऐलान

नई दिल्ली. इंटरनेशनल क्रिकेट के बाद अश्विन ने अब आईपीएल से भी संन्यास ले लिया है. इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी. एक्स हैंडल पर आईपीएल से रिटायर होने का ऐलान करते हुए अश्विन ने अपने इस बड़े फैसले के पीछे की वजह भी बताई .अश्विन ने बताया है कि वो अब क्या करने वाले हैं. अश्विन ने अपने आईपीएल करियर में 5 टीमों के लिए योगदान दिया है. उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग में कुल 221 मैच खेले हैं. अश्विन ने एक्स हैंडल पर लिखा ये जिंदगी का खास दिन है. कहते हैं हर चीज का अंत एक नई शुरुआत लेकर आती है. और, मेरी इस कहानी में भी कुछ ऐसा ही है. संन्यास लेते हुए अश्विन ने आईपीएल, बीसीसीआई और

उन सभी फ्रेंचाइजियों का शुक्रिया अदा किया, जिनके लिए वो खेले.

अब सवाल है कि अश्विन ने अचानक से आईपीएल को अलविदा कहने का मन क्यों बनाया? तो जैसा कि उन्होंने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि हर एंडिंग एक नई बिगनिंग लेकर आती है. उनकी इसी बात में उनके फैसले की वजह भी छिपी है. अश्विन की नजर दरअसल अब दूसरे देशों की T20 लीग पर है. वो उनमें खेलना चाहते हैं और उसके लिए आईपीएल से संन्यास जरूरी था.

अश्विन के आईपीएल करियर की बात करें तो उन्होंने 16 साल में 5 टीमों के लिए अपना योगदान दिया है. साल 2009 में आईपीएल के दूसरे सीजन में उन्होंने डेब्यू किया था. तब सीएसके के साथ शुरू हुआ सफर सीएसके पर ही आकर खत्म भी हुआ. अश्विन ने आईपीएल 2025 में भी सीएसके का ही हिस्सा थे. इस बीच उन्होंने राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स, दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के लिए भी मैच खेले. अश्विन ने कुल 221 आईपीएल मैच खेले, जिसमें 187 विकेट लेने के अलावा उन्होंने 1 अर्धशतक के साथ 833 रन भी बनाए हैं.

एशिया कप 2025 से पहले बड़ी तैयारी, टीम ने बदला फील्डिंग कोच

नई दिल्ली. एशिया कप 2025 के लिए सभी टीमों ने अपनी तैयारी तेज कर दी हैं. ये टूर्नामेंट 9 सितंबर से खेला जाएगा, जिसमें कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी. इस बड़े टूर्नामेंट को देखते हुए एक देश ने अपनी टीम में बड़ा बदलाव किया है. इस टीम ने नए फील्डिंग कोच का ऐलान कर दिया है. इतना ही नहीं, एक नए फिजियोथेरेपिस्ट की भी नियुक्त की है. ये टीम फिलहाल अबू धाबी में ट्रेनिंग कर रही है.

और एशिया कप की शुरुआत से पहले एक ट्राई सीरीज भी खेलने वाली है. अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने एशिया कप जैसे बड़े टूर्नामेंट के लिए अपनी तैयारियों को मजबूत करने के लिए एक अहम कदम उठाया है. बोर्ड ने पूर्व आयरलैंड ऑलराउंडर जॉन मूनी को अपनी नेशनल टीम का नया फील्डिंग कोच नियुक्त किया है. यह नियुक्ति उस समय हुई है जब अफगानिस्तान अपनी टीम को यूएई में होने वाले टी20 ट्राई सीरीज और

इसके बाद सितंबर में शुरू होने वाले पुरुष टी20 एशिया कप के लिए तैयार कर रहा है. 43 साल के जॉन मूनी पहले भी 2018 से 2019 के बीच अफगानिस्तान टीम के साथ फील्डिंग कोच के रूप में जुड़े रहे थे, जब टीम ने भारत में अपना टेस्ट डेब्यू किया था. अपने खेल करियर में मूनी ने आयरलैंड के लिए 64 वनडे और 27 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं, जिसमें 2007, 2011 और 2015 के तीन वनडे वर्ल्ड कप और 2009 व 2010 के दो टी20 वर्ल्ड कप शामिल हैं. मूनी के पास कोचिंग का भी अच्छा अनुभव है. वे 2019 में वेस्ट इंडीज पुरुष टीम के साथ काम कर चुके हैं और इस साल जनवरी से आयरलैंड महिला टीम के साथ अस्थायी कोच के रूप में जुड़े थे.

28 अगस्त से दलीप ट्रॉफी का आगाज, छह टीमें होंगी शामिल

नई दिल्ली. भारतीय घरेलू क्रिकेट में 28 अगस्त से दलीप ट्रॉफी 2025 की शुरुआत होने जा रही है. इस टूर्नामेंट में कुल 6 टीमें हिस्सा लेंगी. इसके बाद 4 सितंबर डॉ. (कैप्ट.) के. थिम्मप्पा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का भी आगाज होने जा रहा है. इस टूर्नामेंट के लिए असम क्रिकेट संघ (एसीए) ने अपनी सीनियर पुरुष टीम का ऐलान कर दिया है. असम क्रिकेट संघ ने 20 खिलाड़ियों का स्क्वॉड चुना है और टीम की कमान स्टार ऑलराउंडर रियान पराग को सौंपी गई है.

रियान पराग को कप्तान बनाने का ऐलान

रियान पराग की कप्तानी में कई उभरते सितारे इस टूर्नामेंट में खेलते हुए नजर आएंगे. टीम में दानिश दास, स्वरूपम पुरकायस्थ और सुभंकर रॉय जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ-साथ युवा प्रतिभाओं को भी मौका दिया गया है. इसके अलावा, अभिषेक ठाकुरी, मुकुंद हुसैन, अनुराग

तालुकदार और अमलनज्योति दास जैसे खिलाड़ी भी टीम का हिस्सा हैं, जो इस टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं. इसके साथ-साथ कोचिंग स्टाफ का भी ऐलान किया गया है. नोएल डेविड कोच और मैनेजर की भूमिका निभाएंगे, जबकि राजीब रंजनश्री फिजियो, भेषम प्रताप सिंह ट्रेनर और राजेश शर्मा वीडियो विश्लेषक के रूप में टीम के साथ होंगे, यह स्टाफ टीम के प्रदर्शन को बेहतर करने और खिलाड़ियों को अच्छी तैयारी के लिए सहायता प्रदान करेगा.

दलीप ट्रॉफी 2025 में भी टीम का हिस्सा

रियान पराग दलीप ट्रॉफी 2025 के लिए ईस्ट जोन की टीम का हिस्सा हैं. इस टीम की उपकप्तानी की जिम्मेदारी रियान पराग को सौंपी गई है. रियान पराग के लिए ये एक बड़ा मौका है. उन्होंने इस साल आईपीएल में भी कुछ मैचों में राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी संभाली थी. रियान पराग के अलावा मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार जैसे स्टार खिलाड़ी भी इस टीम का हिस्सा हैं. जिन पर सभी की नजर रहने वाली है.

असम टीम का स्क्वॉड

रियान पराग कप्तान, परवेज मुसरफ, ऋषव दास, दानिश दास, स्वरूपं पुरकायस्थ, सिबसंकर रॉय, सुभम मंडल, सुमित घाडीगांवकर, अनुराग तालुकदार, अभिषेक ठाकुरी , मुख्तार हुसैन,मृण्मय दत्ता, आकाश सेनगुप्ता, आयुष्मान मालाकार, दीपज्योति सैकिया, राहुल सिंह, रोहित सिंह, अविनव चौधरी, भार्गब प्रतिम लहकर, अम्लानज्योति दास.

आईपीएल के बाद इंग्लैंड में भी संघर्ष, संजीव गोयनका की टीम को मिली राहत

नई दिल्ली. इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में संजीव गोयनका की टीम लखनऊ सुपर जायंट्स ने काफी खराब प्रदर्शन किया था. अब इंग्लैंड में भी उनकी टीम के प्रदर्शन में कोई सुधार नहीं हुआ है. उनकी टीम 8 में से केवल 3 मैच ही जीत पाई है. द हंड्रेड लीग के 30वें मुकाबले में उनकी टीम ने काव्या मारन की टीम नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स को 16 गेंद शेष रहते 7 विकेट से हरा दिया. इस जीत से संजीव गोयनका को थोड़ी राहत मिली होगी. इस मुकाबले में उनकी टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज जॉस बटलर और रचिन रवींद्र ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए केवल 48 गेंदों में ही जीत की पटकथा लिख दी. इस दौरान इन दोनों बल्लेबाजों ने 19 चौके-छक्के ठोक दिए. इस मुकाबले में 140 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए संजीव गोयनका की टीम मैनचेस्टर ओरिजिनल्स की शुरुआत

खराब रही. उसके दो विकेट केवल 31 रन पर गिर गए. इसके बाद टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज जॉस बटलर और रचिन रवींद्र ने तीसरे विकेट के लिए 48 गेंदों में 99 रनों की साझेदारी करके मैच को अपनी ओर मोड़ दिया. बटलर ने केवल 37 गेंदों में 5 छक्के और 7 चौकों की मदद से तेज 70 रन बनाए. न्यूजीलैंड के बल्लेबाज रचिन रवींद्र ने 23 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 47 रनों की पारी खेली. कप्तान फिल सॉल्ट केवल 9 रन ही बना पाए. इस तरह मैनचेस्टर ने 16 गेंद शेष रहते तीन विकेट खोकर जीत का लक्ष्य हासिल कर लिया. नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स की ओर से जैकब डफी, राशिद खान और टॉम लॉज ने एक-एक विकेट लिया. इससे पहले नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स की भी काफी खराब शुरुआत हुई थी. इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स की शुरुआत काफी खराब रही. उसके पांच विकेट 73 रन के स्कोर पर गिर गए.